वर्ष-12 , अंक-31 प्रयागराज, रविवार 04 अगस्त 2024 से शनिवार 10 अगस्त 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

आधुनिक समाचार नेटवर्क

Download From

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

12 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कौशलं बलम्

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रो का सिकंदराबाद मे रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रो का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखे और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

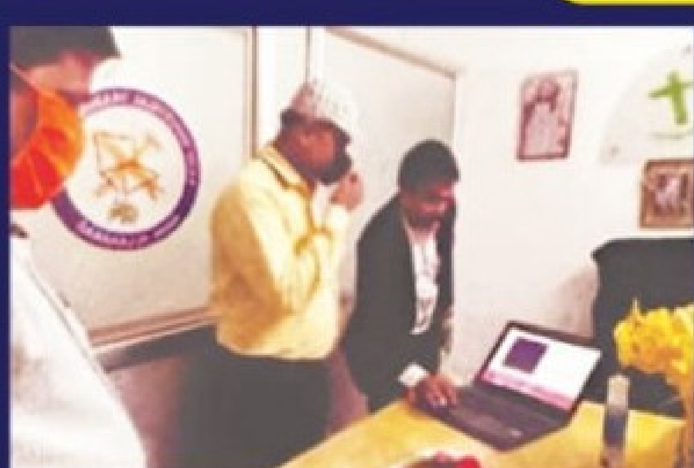

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy

नगर पंचायतों व नगर पालिका में स्वनिधि से समृद्धि कैम्प एवं मैं भी डिजिटल का होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रतापगढ़। परियोजना अधिकारी डूडा देश दीपक सिंह ने बताया है कि पीएम स्वनिधि योजना के अन्तर्गत ''स्वनिधि से समृद्धि कैम्प'' एवं ''मै भी डिजिटल'' का आयोजन दिनांक 05 अगस्त से 10 अगस्त तक 11 नगर निकायों क्रमशः नगर पालिका परिषद बेल्हा, नगर पंचायत कुण्डा, मानिकपुर, लालगंज, सुवंशा, अन्तू, कटरामेंदनीगंज, ढकवा, पट्टी, प्रतापगढ़ सिटी व रानीगंज में किया जायेगा। शहरी पथ विक्रेताआं को आठ केन्द्रीय योजनाओं के तहत क्रमशः पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जनधन योजना, रजिस्ट्रेशन अण्डर वी0ओ0सी0डब्लूयू0, पीएम श्रम योगी मानधन योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड, जननी सुरक्षा योजना व प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना हेतु लाभान्वित किया जायेगा। डिजिटल लेनदेन करने पर 01 माह में पथ विकेताओं को 100 रु0 मासिक कैश बैक सीधे उनके खाते में प्राप्त होता हैं। उन्होने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज के सम्बन्ध में बताया है कि यू0एल0बी द्वारा जारी किया गया वेन्डिग प्रमाण पत्र या पहचान पत्र, यू0एल0बी या टी0वी0सी0 से एलओआर द्वारा जारी किया गया वेडिंग या पहचान प्रमाण पत्र, अधार कार्ड, बैंक पासबुक, दो फोटो, आधार के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बार आवश्यक है। योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु सम्बन्धित नगर निकायों में सम्पर्क करें।

काँग्रेस कार्यकर्ताओ ने भीषण गर्मी में बिजली कटौती को लेकर ज्ञापन सौपा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। महानगर काँग्रेस कमेटी नोएडा के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में काँग्रेस कार्यकर्ताओ ने नोएडा में बिजली की भयंकर कटौती को लेकर सेक्टर 19 सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्पति के नाम ज्ञापन सौपा,महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने बताया कि हमारे जनपद में भीषण गर्मी में कई कई घण्टे बिजली कटौती हो रही है इस हालत में बच्चे बुजर्गी को कई तरह की दिक्कतें हो जाती है गौतमबुद्धनगर को नो पॉवर कट जॉन घोषित किया हुआ है उसके बावजूद भी बिजली की कटौती की जा रही है,वरिष्ठ नेता दिनेश अवाना ने कहा है कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर छल कर रही है नोएडा को सम्राट सिटी कहा जाता है लेकिन यहाँ समस्याओं का अंबार लगा हुआ है कोई जनता की सुनने वाला नही है,पूर्व महानगर अध्यक्ष शहाबुदीन ने कहा है कि नोएड़ा को बसाने में किसानो का सबसे बड़ा योगदान है लेकिन भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा किसानों का शोषण हो रहा है डूब क्षेत्र मैं सैकड़ो परिवार रहते है लेकिन नोएडा जैसे हाईटेक शहर में उन्हें बिना रोशनी के रहना पड़ रहा है,पूर्व प्रदेश्य सदस्य सतेन्द्र शर्मा कहा है की नोएडा में लोग अन्य शहरों से आकर यहाँ अपना रोज़गार कर रहे है लेकिन कई कई घण्टो की बिजली कटौती से लोगो का नुकसान होता है भाजपा सरकार के सर में जू तक नही रेंग रही है,अखिल भारतीय काँग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के सचिव लियाकत चौधरी ने कहा है कि हम सब काँग्रेस जब सरकार को जगाने के लिए आये है जिससे जनता को बिजली कटौती से राहत मिल सके और भीषण उमस भरी गर्मी में लोग आराम से रहे सके,इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव,पूर्व एआईसीसी सदस्य दिनेश अवाना,पूर्व अध्यक्ष शहाबुदीन, प्रदेश्य सदस्य यतेंद्र शर्मा,राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विभाग सचिव लियाकत चौधरी,नेता विक्रम चौधरी,नेता दयाशंकर पांडेय,एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष राजकुमार मोनू,महिला नेत्री डॉ सीमा,नेता रामकुमार शर्मा,नेता एसके राणा,आर के प्रथम,नेता सलीम,राहुल यादव,अरुण शर्मा,जावेद सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रसार नदेशालय, शुआट्स प्रयागराज द्वारा प्रायोजित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेशसन (आत्मा) योजनान्तर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद सोनभद में सम्पन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रसार नदेशालय, शुआट्स प्रयागराज मे उप कृषि निदेशक प्रसार, सोनभद्र द्वारा प्रायोजित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेशसन (आत्मा) योजनान्तर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद सोनभद्र के घोरावल, करमा, राबर्ट्सगंज विकास खण्ड के कृषकों का दिनांक 03.08.2024 को सभागार, प्रसार निदेशालय में सम्पन्न हुआ। निदेशक प्रसार, शुआट्स डा0 प्रवीन चरन ने कृषकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से आपको कृषि सम्बन्धित विभिान्न प्रकार की तकनीकी जानकारियों से अवगत कराया गया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि पशिक्षण के द्वारा प्राप्त तकनीकी ज्ञान का उपयोग अपनी खेती मे अवश्य करें जिससे कृषि शस्य क्रियाओं में सरलता हो एवं अधिक उपज के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त हो सके। साथ ही उन्होने कृषकों को प्राकृतिक खेती करने की सलाह दी। निदेशक प्रसार ने कृषको को बांस की खेती पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बांस को बीज के माध्यम से भी पौध तैयार किया जाता है लेकिन उससे सरल विधि बॉसुरी विधि से बांस का पौध तैयार किया जा सकता है जो कि अति शीघ्र रोपण के कार्य मे आ जायेगा, ओग उन्होने बॉसुरी विधि से पौध तैयार करने की विस्तृत जानकारी कृषकों को दी। कृषकों को सम्बोधित करते हुए संयुक्त निदेशक प्रसार डा0 ए.के. चौरसिया ने कहा कि इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से कृषि वैज्ञानिको के द्वारा आपको कृषि सम्बन्धित विभिन्न विधाओं की जानकारी दी गयी। संयुक्त निदेशक प्रसार ने बीज उत्पादन हेतु कार्यक्रम की विस्तृत चर्चा की एवं शुआट्स विश्वविद्यालय के शोध प्रक्षेत्रों के भ्रमण के दौरान प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डा0 सरवेन्द्र कुमार ने कृषकों को सूकर की विभिन्न नस्लों मिडिल व्हाईट, यॉर्कशायर तथा लेंडरेस आदि एवं बकरी की जमुनापारी, ब्लेक बंगाल, सिरोही, बरबरी आदि प्रमुख नस्लों पर विस्तृत चर्चा की। प्रशिक्षण समन्वयक डा0 टी0डी0 मिश्रा के द्वारा अतिथि एवं कृषकों को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डा0 शिशिर कुमार ने श्रीअन्न (सांवा, कोदो, रागी, ज्वार, बाजरा) धन, अरहर, मक्का, व अन्य फसलो पर विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण समन्वयक डा0 टी0डी0 मिश्रा ने कृषकों को उद्यान, सब्जी नर्सरियो की पौधशाला प्रबन्धन, पुराने बागों का प्रबन्धन, कलमी पौधो एवं संरक्षित खेती पर विस्तृत जानकारी दी, डा0 मदन सेन सिंह ने बीज शोधन एवं भण्डारण एवं फसल कटाई उपरान्त प्रबन्धन की जानकारी दी डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव ने प्राकृतिक खेती पर विस्तृत जानकारी दी, डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह ने सब्जियों की हाइड्रोपोनिक खेती एवं एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन पर विशेष जानकरी दी। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव, श्रीमती मीना नेथन, डा0 मदन सेन सिंह, डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह, डा0 मनीष केसरवानी एवं निदेशालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डीएम एवं सीडीओ ने विकास खण्ड बाबा बेलखरनाथधाम एवं कठार गौशाला का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा ने विकास खण्ड बाबा बेलखरनाथधाम एवं कठार गौशाला का औचक निरीक्षण किया। विकास खण्ड बाबा बेलखरनाथधाम में जिलाधिकारी ने ब्लाकों के विभिनन्न कक्षो का निरीक्षण किया एवं वहां पर रखी गयी पत्रावलियों के रख-रखाव, साफ-सफाई का अवलोकन किया और खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि जो भी पुरानी पत्रावलियॉ है उनकी साफ-सफाई करके उन्हें सुव्यवस्थित ढंग से रखा जाय।जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि नियमित कार्यालय में बैठे और जनता की समस्याओं का सुने एवं सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का पात्र लाभाथिर्यों को लाभ दिलाये। मुख्य विकास अधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी से कहा कि अपने स्तर से पंचायत सहायक को निर्देशित करें कि वह पंचायत भवन में समय से बैठे जिससे जनसामान्य की समस्याओं का निराकरण किया जा सके। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी के कक्ष में बैठकर आईजीआरएस, डाक रजिस्टर, उपस्थिति पंजिका आदि का अवलोकन किया एवं विभिनन्योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विभिनन्न जांच की पत्रावलियॉ लम्बित है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जांच की जो पत्रावलियॉ लम्बित है उसे सेक्टर में बॉटकर अधिकारियों के माध्यम से जांच कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने विकास खण्ड में मनरेगा कायी, नवनिर्मित गौशालाओं, पंचायत भवनों आदि की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के सम्बन्ध में सीडीओ ने जानकारी ली तो बताया गया कि 55 आवासों का सत्यापन करा लिया गया है। सीडीओ ने अन्य योजनाओं के सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने इस दौरान जनसुनवाई, सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी को सन्दर्भित किये गये शिकायती पत्रों के निराकरण की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने विकास खण्ड में लघु सिंचाई विभाग द्वारा कराये जा रहे वाटर हार्वेस्टिंग के निर्माण कार्य का अवलोकन किया और निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को गुणवत्तायुक्त ढंग से किया जाये। विकास खण्ड के निरीक्षण के उपरान्त जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने कठार गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि 01 गोवंश बीमार की हालत में पायी गयी जिस पर जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि यथाशीघ्र बीमार गोवंश का ईलाज कराया जाये। गौ आश्रय में लगे केयरटेकर के सम्बन्ध में जानकारी ली तो बताया गया कि 02 केयरटेकर गौशाला में लगाये गये है। गौशाला में खाली पड़ी जमीन जानकारी ली तो खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि गोवंशों हेतु हरे चारे की बुवाई करायी जायेगी।

अयोध्या मे हुए गैग रेप केस मे हो उचित कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सामाजिक परिवर्तन की महानायिका मा0 बहन कु0 मायावती जी पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश पूर्व सांसद राज्यसभा द्वारा किए गए ट्वीट के बारे में बी0 सागर जिलाध्यक्ष बसपा ने जानकारी दी की मा0 बहन कु0 मायावती जी ने कहा की यूपी सरकार द्वारा अयोध्या गैंग रेप केस में आरोपी के विरुद्ध की जा रही सख्त कार्यवाही उचित हैं।लेकिन सपा द्वारा यह कहना की आरोपी का डीएनए टेस्ट होना चाहिए, इसे क्या समझा जाए। जबकि सपा को यह बताना चाहिए कि उनकी सरकार में ऐसे आरोपियों के खिलाफ कितने डीएनए टेस्ट हुए हैं। साथ ही ,यूपी अपराध नियंत्रण व्यवस्था में भी खासकर महिला सुरक्षा व उत्पीड़न आदि को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच अयोध्या व लखनऊ आदि की घटनाएं अति-दुखद व चिंतित करने वाली है। सरकार उनके निवारण के लिए जाति-बिरादरी एवं राजनीति से ऊपर उठकर सख्त कदम उठाए तो बेहतर होगा। इस दौरान डा0 ओ0पी0मौर्या ,रामविचार गौतम , पनन लाल जी , कमलेश गोंड , अशोक सागर ,रमेश सहगल ,अविनाश शुक्ला,डा0 राम अवतार चौहान जी ,अमन कुमार मौर्या , प्रेम नाथ गौतम ,पवन कुमार , अवधेश विश्वकर्मा एड0 , जोखन भारती, अली हैदर ,सलीम कुरैशी, संदीप कुमार , प्रकाश भारती , जमुना कुमार चौधरी , राजकुमार वर्मा , उमेश कुशवाहा ,राकेश रोशन , महेंद्र सेन ,विंदू भारती , भगवान दास भारती , विक्रम पटेल ,बलवंत रंगीला, राजू भारती, रवि प्रकाश पांडेय , अनीश भारती , सुरेश भारती , टाम बाबा, गोपाल दास कौशल ,मुनन लाल भारती , देवी शरण भारती, रामेश्वर आजाद , रामलखन देहाती आदि लोग उपस्थित रहे।

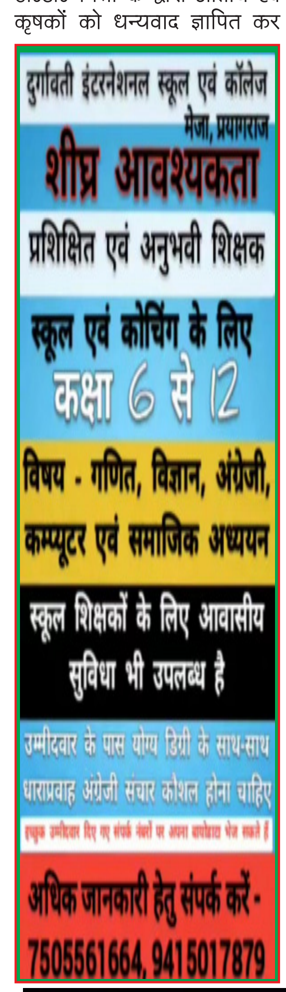

एक ही परिवार के 6 दोषियों को 5-5 वर्ष की कैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। साढ़े 13 वर्ष पूर्व यज्ञ स्थल को लेकर हुई मारपीट के मामले में बुधवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश रविंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर एक ही परिवार के 6 दोषियों प्रकाश चन्द्र चौबे ,कामेश्वर चौबे,शेषमणि चौबे, योगेंद्र चौबे,प्रमोद कुमार चौबे व प्रदीप चौबे को 5-5 वर्ष की कैद व प्रत्येक पर साढ़े आठ हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4-4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियुक्तगणों की जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अर्थदंड की धनराशि का 75 प्रतिशत रामनगीना चौबे को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दुद्धी थाना क्षेत्र के धनौरा गांव निवासी प्रह्लाद पांडेय पुत्र रामेश्वर पाण्डेय ने विंढमगंज थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 18 जनवरी 2011 को सुबह 8 बजे उनके रिश्तेदार रामनगीना चौबे पुत्र स्वर्गीय लालता चौबे निवासी पतरिहा, थाना विंढमगंज, जिला सोनभद्र महुली बाजार गए थे। बाजार में सड़क पर प्रकाश चंद्र चौबे से यज्ञ कराने के स्थल को लेकर कहासुनी करने लगे। लोगों के काफी समझाने बुझाने के बाद वे घर चले गए। इसी बात को लेकर सुबह साढ़े आठ बजे गांव के प्रकाश चंद चौबे पुत्र विजय शंकर चौबे, कामेश्वर चौबे पुत्र स्वर्गी लालता चौबे,शेषमणि चौबे व योगेंद्र चौबे पुत्रगण कामेश्वर चौबे, प्रमोद कुमार चौबे व प्रदीप चौबे पुत्रगण कैलाश चौबे निवासी पतरिहा एक रॉय होकर लाठी डंडा लेकर रामनगीना चौबे के घर में घुस आए और उन्हें लाठी डंडे से मारने पीटने लगे तथा मां बहन की भद्दी भद्दी गाली देंने लगे। जब उनका बेटा बुन्देल कुमार चौबे, पतने सुमित्रा देवी, बहु किरन देवी और बेटी सुजाता चौबे बचाने गई तो इन लोगों को भी मारा पीटा। इस दौरान रामनगीना चौबे, बुन्देल कुमार चौबे और सुमित्रा देवी को सिर और शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। सुमित्रा देवी के सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से बेहोश होकर गिर गई। सुजाता चौबे और किरन देवी को भी शरीर में चोटें आई हैं। शोरगुल की आवाज सुनकर सच्चिदानंद चौबे, कलामुद्दीन, आनंद कुशवाहा समेत आसपास के तमाम लोग आ गए और बीच बचाव किया। अभियुक्तगण जान मारने की धमकी देते हुए चले गए।लोगों के सहयोग से सभी घायलों को दुद्धी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल से भी डॉक्टर ने गम्भीर हालत को देखते हुए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया।विवेचक ने मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। कोर्ट ने 6 मार्च 2013 को अभियुक्तगण के विरुद्ध आरोप तय किया था। मामले के विचारण के दौरान सिर में प्राणघातक चोटें लगने की वजह से सुमित्रा देवी की मौत हो गई। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषियों को 5-5 वर्ष की कैद एवं प्रत्येक पर साढ़े आठ हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4-4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि का 75 प्रतिशत रामनगीना चौबे को मिलेगी।

जनपद में चल रहा राजीव गांधी पौध रोपण अभियान- आशु

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।शनिवार को जनपद सोनभद्र में घोरावल विधानसभा के जैत गांव में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने राजीव गांधी पौध रोपण अभियान के तहत शिर्ष नेतृत्व द्वारा निर्धारित किए गए कार्यक्रम में वृक्ष लगाए और कहा कि मौजूदा समय में हल्की-हल्की बरसात भी हो रही है इस समय अगर वृक्षारोपण किया जाए तो यह बहुत ही सरल तरीके से वृक्ष लगने में सहायक होगा। वृक्ष हमारे लिए जीवनदाई है क्योंकि एक ओर तो हमें इनसे ऑक्सीजन प्राप्त होती है वहीं दूसरी और तमाम आयुर्वेदिक औषधियां भी इन्हीं के माध्यम से प्राप्त होती है, हमें यह फल भी देते हैं, ज्यादा गर्मी में अपनी छाव भी देते हैं हमें इनसे सीखने को भी बहुत कुछ मिलता है।अगर हम देखें तो हर रूप में वृक्ष हमें हमेशा कुछ देते ही है और यह कहा भी गया है कि वृक्ष कभी न फल भकई, नदी न संचय नीर वृक्ष अपना फल स्वयं नहीं खाता वह पूरा समय हमारे समाज को कुछ देते ही रहते है ,वहीं दूसरी ओर नदियां भी जल अपना खुद संचय नहीं करती और दूसरों के लिए ही होती हैं।वर्तमान समय मे बढ़ते हुए प्रदूषण , बेतहाशा गर्मी को रोकने के लिए वृक्षों का वृहद मात्रा में होना अति आवश्यक है हम सभी को यह सोच लेना चाहिए की कम से कम अपने आसपास एक वृक्ष जरुर लगे जिससे हम और हमारा वातावरण दोनों सुरक्षित और स्वस्थ रह सके। कार्यक्रम में उपस्थित युवा नेता गौतम आनंद ने कहा कि नौजवानों को भी इस कार्य में बढ़ - चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए और अपने आसपास वृक्ष जरुर लगाने चाहिए उससे लोग भी देखकर प्रभावित होंगे ,कांग्रेस नेता ओमप्रकाश राम ने कहा कि वृक्षों का कटान बहुत हो चुका है उस मानक पर नए वृक्ष लगे हुए देखने को मिलते नहीं है जो हमारे वातावरण के लिए ठीक नहीं है मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में श्रीकांत मिश्रा,अभिषेक कुमार सिंह ,अंकित यादव, नितेश श्रीवास्तव, हिमांशु मोर्य , विशाल कुमार रहे।

माँ का पहला दूध ही है बच्चे का पहला टिका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।सीएमओ ऑफिस सभागार में शनिवार को आयोजित गोष्ठी में सीएमओ डॉक्टर अश्वनी कुमार सभा को संबोधित करते हुए बताया की हंसते और खिलखिलाते बच्चे बरबस ही सबका मन मोह लेते हैं। बच्चों का हंसना और खिलखिलाना बहुत हद तक उनके स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। यदि जन्म के तुरन्त बाद शीघ्र अतिशीघ्र/एक घण्टे के अन्दर नवजात को स्तनपान प्रारम्भ कराया जाये, छह माह तक बच्चे को केवल स्तनपान और उसके बाद दो साल तक स्तनपान के साथ पूरक पोषाहार दिया जाए तो बच्चा सुपोषित होगा और हंसी लम्बे समय तक उसके चेहरे पर रहेगी । स्तनपान शिशुओं के उचित मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए स्तनपान महत्वपूर्ण है, इतना ही नहीं स्तनपान माँ को भी प्रसव उपरांत होने वाली कई तरह की परेशानियों से बचाता है। इसी उद्देश्य से जनपद में विश्व स्तनपान सप्ताह 01 से 07 अगस्त 2024 तक मनाया जायेगा। इस बार की थीम ठअन्तर को कम करनाः सभी के लिये स्तनपान सहायतात रखी गई है। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार ने दी। सीएमओ ने बताया कि जन्म के तुरन्त बाद शीघ्र अतिशीघ्र / एक घण्टे के अन्दर नवजात को स्तनपान प्रारम्भ कराया जाये जिसेस बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता विकसित की जा सके। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अश्वनी कुमार ने बताया कि बच्चें का पहला टीका स्तनपान होता है जिससे बच्चें एवं मां दोनो स्वस्थ व निरोग होते है। जन्म के पहले घंटे के अंदर मां का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) पिलाने और छह माह तक सिर्फ स्तनपान कराने से शिशु का है और शिशु की भी बेहतर रहती है। सर्वांगीण विकास होता रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती।

अब शादी में मिले उपहार की बना लें लिस्ट' विवाह के बाद जमा करनी होगी वर-वधू भेंट सूची

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शादी, निकाह में लेनदेन की प्रथा खत्म कराएगा दहेज मुक्ति अभियान, समाज में जागरूकता लाने हेतु बनाई गई कार्य योजन जिला प्रोबेशन अधिकारी /जिला दहेज विशेष अभियान चलायें जाने के बारे में जानकारी दी गई केन्द्र प्रशासक दिपिका सिंह ने बताया कि महिलाओं के लिए बना है यह कानून बता दें कि दहेज एक सामाजिक बुराई है, जिसके कारण समाज में महिलाओं के प्रति उनके दोनों पक्षों को सूची बनाकर, दोनों पक्षों के हस्ताक्षर के बाद यह सूची जिला प्रोबेशन अधिकारी/जिला दहेज प्रतिषेध अधिकारी के कार्यालय कलेक्ट्रेट सोनभद्र में प्रस्तुत की जाएगी. संरक्षण अधिकारी रोमी

प्रतिषेध अधिकारी पुनीत टंडन के दिशा निर्देशन में दिनांक 3/08/2024 को महिला थाना दुद्धी में थाना प्रभारी संतू सरोज की अध्यक्षता में बैठक कर दहेज प्रतिषेध अधिनियम के अन्तर्गत आम जनमानस में प्रचार प्रसार किये जाने हेतु कार्य योजना बनाई गई ओ आर डब्लूयू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि समुदाय में फैली सोच जैसे भ्रूण हत्या,बाल विवाह, दहेज की मांग करने आदि को बदलने हेतु आवाज उठाने एवं जागरूकता हेतु अकल्पनीय यातनाएं और अपराध उत्पनन्‍ हुए हैं. साथ ही भारतीय वैवाहिक व्यवस्था दूषित हुई है. दहेज शादी के समय दुल्हन के ससुराल वालों को लड़की के परिवार द्वारा नकद या वस्तु के रूम में किया जाने वाला भुगतान है. बता दें कि दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए देश में दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 बना है. अब से इस कानून का सख्ती से अनुपालन होगा और जिले में होने वाले सभी विवाह जो पंजीकृत हो या अपंजीकृत, पाठक व गायत्री दुबे द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित वन स्टाफ सेंटर सेंटर, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाईल्ड हेल्पलाइन, बाल कल्याण समिति की कार्यप्रणाली एवं वहां पर प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में बताया गया। बैठक में वन स्टाप सेन्टर से केंद्र प्रशासक दीपिका सिंह,जिला बाल संरक्षण इकाई संरक्षण अधिकारी गायत्री दुबे, रोमी पाठक, ओ.आर.डब्लूयू शेषमणि दुबे, महिला आरक्षी व अन्य लोग उपस्थित रहें।

कचनरवा के ग्रामीणों द्वारा सड़क गड्ढा मुक्त कराने व अतिक्रमण हटाने की माँग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोन / सोनभद्र । विकास खण्ड कोन के अंतर्गत ग्राम पंचायत कचनरवा में मुख्य मार्ग कोन-कचनरवा - विंढमगंज , बागेसोती मार्ग , अस्पताल रोड से सटे मुख्य मार्ग जगह-जगह रोड उखाड़ कर गड्ढे में तब्दील हो गए हैं जहां थोड़ी बरसात होते ही सड़क तालाब में तब्दील हो जाता है वहीं सड़क किनारे मुर्गा, मछली के दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण करके मांस ,मछली की खुली दुकानें लगायी जाती है जो कि सावन के पवित्र महीने में मुख्यमंत्री द्वारा स्थानीय प्रशासन को स्पस्ट निर्देश दिया गया है कि खुले में मांस मछली की बिक्री नहीं हो किन्तु मुख्यमंत्री के आदेश को दरकिनार करते हुए स्थानीय दुकानदारों द्वारा सड़क अतिक्रमण करके खुलेयाम मांस मछली की बिक्री की जाती है स्थानीय प्रशासन मुख दर्शक बना हुआ है वहीं इन दुकानों से उठ रहे दुर्गंध से आने जाने वाले संभ्रांत लोगों समेत पूजा करने जाने वाले ग्रामीण को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ग्रामीणों का कहना है कि जहां एक ओर सड़क तालाब में तब्दील हो जाने के कारण लोगों को सड़क पर चलना दुश्वार हो गया है ,वही इन मुर्गा मछली की खुली दुकानों से उठ रही दुर्गंध के कारण आम जनमानस में बीमारी फैलने का भी खतरा बना रहता है इस रास्ते से जाने वाले पंचायत बागेसोती , लोकवाखाडी, बड़ाप् बरवाहीखोली, किशुनपुरवा, पीपरखाड़ सहित झारखंड, हॉस्पिटल रोड , बागेसोती रोड मुख्य मार्ग से ही लोगों का आना जाना रहता है जो परेशानी का सबब बन गया है ।इन मुर्गा मछली के दुकानदारों से झगड़ा होने की हमेशा संभावना बनी रहती है ग्रामीण सियाराम उमेश परमानंद रमेश महेंद्र राजेश तिवारी सुरेंद्र दीप नारायण उमाशंकर अजय कुमार आनंद कुमार ने जिलाधिकारी व स्थानीय प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल मुर्गा मछली के दुकानों को हटाने की माँग के साथ-साथ रोड को गड्ढा मुक्त करने की मांग की है।

टेलर के चपेट में आने से बाइक सवार दो की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। स्थानीय हाथीनाला थाना क्षेत्र में भीषण सड़क दुर्घटना में अचानक किसी कारण वश बाइक सवारों ने बाइक छोड़कर कुदने के प्रयास में एक गाड़ी के कैबिन में दोनों

थाना से रेनूकोट के तरफ जा रहे बाइक सवार भारी वाहन के चपेट में आने से एक ही बाइक पर सवार दो लोग की मौके हुई दर्दनाक मौत प्राप्त जानकारी अनुसार आज शुक्रवार को लगभग 2:45 बजे हाथी नाला थाना से लगभग 50 मीटर दूरी पर रेणुकूट के तरफ वाराणसी शक्तिनगर राज्य मार्ग पर डाला के तरफ से रेनूकुट के तरफ जा रहे बाइक सवारों ने दो वाहनों से ओवर टेक कर रहे तभी दबकर फस गए जिसके कारण बाइक सवार ललित कुमार पुत्र गोविंद शर्मा दूसरा संजय कुमार पुत्र रामजीत शर्मा निवासी खमरिया थाना राजगढ़ की दर्दनाक मौत हो गई वहीं दोनों मृतक चचेरे भाई थे बताया जा रहा है सूचना पाकर मौके पर पहुंचे हाथी नाला थानाध्यक्ष ने स्थानीय लोगों के मदद से कड़ी मस्तक से दोनों शवों को बाहर निकलवाते हुए पोस्टमार्टम हेतु ऐम्बुलेंस से दुद्धी अस्पताल भेजवाया गया।

अनपरा परियोजना द्वारा रिहंद डैम मे बहायी जा रही राख

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भारत में आयतन की दृष्टि से सबसे बड़ा राख बांध रिहंद डैम राख से पटता जा रहा है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 13 जुलाई 1954 को आधारशिला रखी थी और नौ साल बाद सोनभद्र जिले के पिपरी के पहाड़ों के बीच रिहंद नदी को बांधकर तैयार हुए इस बांध का उद्घाटन हुआ था। जलसंग्रहण के लिए बना यह बांध अनपरा व ओबरा परियोजनाओं की राख से पटता जा रहा है। ओबरा परियोजना की राख का एक हिस्सा सीधे रेणुका नदी और शेष राख ऐश डैम से होकर नाले के जरिए सीधे रेणुका नदी में गिराए जाने को लेकर जिम्मेदार आंख तो मूंदे ही हैं। राज्य सरकार के स्वामित्व वाली प्रदेश की सबसे बड़ी 2630 मेगावाट वाली अनपरा तापीय परियोजना का भी यही हाल है। बेलवादह स्थित ऐशडैम के भराव को लेकर एनजीटी (नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) की टीम 2015 में ही चिंता जाहिर कर चुकी है। 2009 में स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट रिहंद डैम के पानी को मानव जीवन के लिए अयोग्य घोषित कर चुकी है इसके बावजूद अब तक न तो ऐशडैम से राख मिश्रित पानी के रिहंद पानी में हो रहे प्रवाह पर पूरी तरह रोक लग सकी है और न ही जगह-जगह ऐश पाइप टूटने से खेतों में पट रही राख का ही प्रभावी निदान निकाला जा सका है। यह हाल तब है, जब प्रतिष्ठित संस्था सेंटर फॉर साइंस इनवायरमेंट द्वारा 22 फरवरी 2015 को किए गए सर्वे में राज्य सरकार की ओबरा परियोजना को प्रदेश का सर्वाधिक और अनपरा परियोजना को दूसरा सर्वाधिक प्रदूषण उत्सर्जक केंद्र (परियोजना) बताया था। इसके बावजूद स्थिति सुधरने की बजाय बिगड़ी हुई है। ताज़ा मामला अनपरा तापीय परियोजना के अ ताप विधुत गृह से निकलने वाली ऐश पाइप लाइन का है जो राख बांध मे ना डालकर परियोजना के जिम्मेदार सीधे गोविन्द बल्लभ पंत सागर यानि रिहंद डैम मे बहाया जा रहा है त् आस पास के नागरिकों ने बताया कि लगभग एक वर्ष से बेलवादाह राख बांध से लगभग 17 किमी पहले ही सीधे राख को रिहंद मे डाला जा रहा है त् जबकि उत्पादन निगम हर वर्ष करोड़ो रूपये का टेंडर इन ऐश पाइपो के अनुरक्षण पर खर्च कर रहा है त् सवाल उठता है कि इतनी घोर लापरवाही के बावजूद जिम्मेदार सो रहे है त् इस सम्बन्ध मे अनपरा तापीय परियोजना के प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक जे पी कटियार का कहना है कि उन्हें जानकारी नही है मै देखता हूँ त् इस सम्बन्ध मे जब क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी से जब सम्पर्क करने की कोशिश की गई तो उनका फोन लगातार स्वीच आफ बताता रहा ।

उपचुनाव को लेकर अखिलेश यादव से मुलाकात किए कार्यकर्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र ।शनिवार को लखनऊ समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात करते हुए आगामी उपचुनाव को लेकर युवा मोर्चा सपा कार्यकर्ताओं द्वारा बनाई गई रानीत मिले दिशा निर्देश।वही सपा प्रदेश महासचिव लोहिया वाहिनी मनन्‍ पांडेय ने बताया कि शनिवार को मेरठ सरधना के विधायक अतुल प्रधान के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात किया।वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा प्रदेश में उपचुनाव आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी की रूप रेखा बनाई गई कार्यकर्ताओं को दिए गए दिशा निर्देश के क्रम में अपने-अपने क्षेत्र में जमीनी स्तर पर पहुंचकर पीडि़त शोषित परिवारों के साथ खड़ा होकर न्याय दिलाते हुए एक मजबूत संगठन के साथ लोगों की हक की आवाज बनाएं जिससे कि आगामी 2027 में भ्रष्ट सरकार के खिलाफ आम जनता की जीत हो सके।

राम चरित मानस मंदिर एवं धर्मशाला व मानस भवन के संबंध में अवगत कराया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ओबरा सोनभद्र। तहसील में राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द पटेल दयालु के नेतृत्व में

सोनभद्र के अपर जिला अधिकारी श्री सहदेव मिश्रा जी को ओबरा के राम चरित मानस मंदिर एवं धर्मशाला व मानस भवन के संबंध में अवगत कराया गया सविनय निवेदन के साथ आपको अवगत कराना है कि मेन मार्केट में राम चरित मानस मंदिर एवं धर्मशाला व मानस भवन है जिसमें ओबरा नगर पंचायत में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत स्पष्ट किया है कि रामलीला मैदान के स्थल की संपत्ति पर प्रभावी नियंत्रण राज्य सरकार नगर पंचायत ओबरा सोनभद्र का है सूचना के अधिकार के तहत जो सूचना दिया गया है वह इस पत्र में संलग्न है भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री विशाल गुप्ता ने कहा रामलीला समिति का कोई भी खाता नहीं है पंजीकृत कोई भी कमेटी नहीं है और जो भी धन चाहे वह भाड़ा के रूप में चाहे शादी विवाह में जो धन आता है चाहे जो भी प्रदर्शनी आती है जो भी धन होता है उसमें पारदर्शी हो भारतीय जनता पार्टी के मंडल कोषाध्यक्ष सुशील कुशवाहा ने कहा ऐसी सूचना मिल रही है कि व्यक्ति विशेष द्वारा इस हड़पने का प्रयास किया जा रहा है जो कि हमारी आस्था के साथ कुठाराघात है और यह 22000 से ?25000 में एक शादी विवाह में दिया जाता है इसे ?5000 में दिया जाए और जब भी इसका चुनाव हो सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा हो और सदस्य बनाए जाएं मानवाधिकार के प्रदेश महासचिव आलोक भाटिया ने कहा सभी ओबरा वासी जो हिंदू धर्म में आस्था रखते हैं वह इसमें भाग ले सकें यह पूरे ओबरा नगर वासियों के आस्था विषय का केंद्र है जो रसीद में इन्होंने किसी भी व्यक्ति को दी है वह सरकारी खाते में लेन-देन में कहीं भी नहीं है और जो भी रसीद कटे जब संपत्ति का प्रभावी अधिकार सरकार का हो या तो रसीद भी नगर पंचायत ओबरा काटे और जो लोग उसमें देखरेख के लिए या पुजारी रखे गए हैं उन्हें एक सही मानदेय भी मिले राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द पटेल दयालु ने सभी राम मंदिर रामलीला मैदान वी मानस भवन की संपत्ति को पारदर्शी किया जाए और जैसा की सूचना मिल रहा है रामलीला समिति में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाया जाए। मुख्य रूप से भूतपूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष उमाशंकर सिंह, ओबरा व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुशील गोयल, भूतपूर्व जिला अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद सी बी राय, पेंशनर्स यूनियन के अध्यक्ष महंगी प्रसाद , विश्व हिंदू परिषद के जिला संरक्षक भीम राय, जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना संतोष कनौजिया आदि वरिष्ठ लोग उपस्थित रहे

ओलंपिक्स हमारे खिलाड़ियों को विश्व पटल पर तिरंगा लहराने मौका देता है: डॉ धर्मवीर तिवारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रविवार को रावटसगंज

नगर में देश के यशश्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को बूथ संख्या 14 पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर तिवारी के नेतृत्व में सुना गया । जिसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरे प्यारे देशवासियो, 'मन की बात' में आपका स्वागत है, अभिनंदन है इस समय पूरी दुनिया में पेरिस ओलंपिक्स छाया हुआ है ओलंपिक्स , हमारे खिलाड़ियों को विश्व पटल पर तिरंगा लहराने का मौका देता है, देश के लिए कुछ कर गुजरने का मौका देता है आप भी अपने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाइए, चीयर फ़ॉर भारत !!वही पुणे के रहने वाले आदित्य वेंकट गणेश, पुणे के ही सिद्धार्थ चोपरा , दिल्ली के अर्जुन गुप्ता, ग्रेटर नोएडा के कनव तलवार, मुंबई के रुशील माथुर और गुवाहाटी के आनंदो भादुरी साथियो, आज 'मन की बात' में मैंने इन युवा विजेताओं को विशेष तौर पर आमंत्रित किया है ये सभी इस समय फोन पर हमारे साथ जुड़े हुए हैं प्रधानमंत्री - चलिए साथियों, मुझे बहुत अच्छा लगा, आप लोगों से बात करके, और मैं आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ, क्योंकि, मैं जानता हूँ इस प्रकार के खेल के लिए काफी करनी पड़ती है, दिमाग खपा देना पड़ता है, और परिवार के लोग भी कभी-कभी तंग आते हैं - ये क्या गुणा-भाग, गुणा-भाग करता रहता है लेकिन मेरी तरफ से आप को बहुत-बहुत शुभकामनाएं हैं आपने देश का मान बढ़ाया, नाम बढ़ाया है धन्यवाद दोस्तों प्रधानमंत्री ने बताया कि आप सभी से बात करके आनंद आ गया 'मन की बात' से जुड़ने के लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद मुझे विश्वास है कि के इन युवा महारथियों को सुनने के बाद, दूसरे युवाओं को को ।हरदब् करने की प्रेरणा मिलेगी मेरे प्यारे देशवासियो, 'मन की बात' में, अब मैं उस विषय को साझा करना चाहता हूं, जिसे सुनकर हर भारतवासी का सिर गर्व से ऊंचा हो जाएगा लेकिन इसके बारे में बताने से पहले मै आपसे एक सवाल करना चाहूंगा क्या आपने चराईदेउ मैदाम का नाम सुना है अगर नहीं सुना, तो अब आप ये नाम बार-बार सुनेंगे, और बड़े उत्साह से दूसरों को बताएंगे असम के चराईदेउ मैदाम को में शामिल किया जा रहा है।

संविधान बचाने की आड़ में यहां पीडीएफ को गुमराह करके लिया वोट: बी सागर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कु0 मायावती पूर्व मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश पूर्व सांसद राज्यसभा

के द्वारा ट्वीट के बारे में जानकारी देते हुए बसपा जिला अध्यक्ष बी सागर में कहा कि सपा मुखिया ने लोकसभा चुनाव में खासकर संविधान बचाने की आड़ में यहां पीडीएफ को गुमराह करके उनका वोट जरूर ले लिया ।लेकिन यूपी विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता बनने में जो इनकी उपेक्षाकहा की गई यह भी सोचने की बात है।जबकि सपा में एक जाति विशेष को छोड़कर बांकी पीडीएके लिए कोई जगह नहीं है ।ब्राह्मण समाज की तो कट्टे नहीं क्योंकि सपा और भाजपा सरकार में जो इनका उत्पीड़न को शिक्षा हुई है वह किसी से छिपा नहीं है वास्तव में इनका विकास एवं उत्थान केवल बीएससी सरकार में ही हुआ है अतः यह लोग जरूर सावधान रहें इस मौके पर गुड्डू राम सेक्टर इंचार्ज रामविचार गौतम , सेक्टर इंचार्ज, डॉक्टर ओ0 पी0 मौर्य पनन लाल सेक्टर इंचार्ज , कमलेश गोंड जिला प्रभारी , सेक्टर प्रभारी तथा अविनाश शुक्ला जिला उपाध्यक्ष एवं बसपा प्रत्याशी तथा डॉ राम अवतार चौहान जिला महासचिव एवं उमेश कुशवाहा जिला कोषाध्यक्ष ,अमन कुमार मौर्या , पवन कुमार जिला सचिव तथा , अवधेश विश्वकर्मा भगवान दास भारती ,अनीश भारती ,मुननलाल भारती , अली हैदर ,फूल मोहम्मद एवं राजेश भारती बलवंत रंगीला रामचंद्र रतन ,सलीम कुरैशी प्रभारी ,मनोज कुशवाहा प्रभारी बाबूराम प्रजापति प्रभारी संजय गोंड प्रभारी , बलवंत जोखन भारती जी बीबीएफ जिला सह संयोजक बसपा, गोपाल दास कौशल कृष्ण कुमार गिरी उर्फ टाम बाबा आदि कार्यकर्ता पदाधिकारी गण रहे।

व्यापारी बन्धुओं/बैंक मित्रों के साथ लिए गए सुझाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र ।अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को पुलिस लाइन चुर्क,

स्थित सभागार कक्ष में व्यापारी सुरक्षा के सम्बन्ध में जनपद के प्रमुख व्यापारियों, उद्यमियों व पेट्रोल पम्प मालिकों के साथ गोष्ठी आयोजित की गयी । गोष्ठी में जनपद के प्रमुख व्यापारियों, उद्यमियों व पेट्रोल पम्प मालिकों के साथ उनकी सुरक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया गया । इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा व्यापारियों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से अपने-अपने दुकानों/संस्थानों मे सीसीटीवी कैमरे का प्रयोग अनिवार्य रुप से करने हेतु बताया गया । साथ ही साथ उनकी समस्याओं के विषय मे जानकारी की गयी व उनके निराकरण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा उनको सुरक्षा के सम्बंध मे पुलिस द्वारा हरसम्भव मदद का भरोसा दिलाया गया । इस मौके पर जनपद के व्यापारीगण/पेट्रोल पम्प मालिक/सर्राफा व्यापारी/बैंक मित्र मौजूद रहे ।

देश/विदेश

मेरा देश भारत

संक्षिप्त समाचार

सरकार गड़बड़ी मुक्त परीक्षा कराने को लेकर प्रतिबद्ध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नीट-यूजी पर सुप्रीम कोर्ट के शुक्रवार को आए विस्तृत फैसले पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने खुशी जताई है और कहा कि यह सत्य की जीत है। उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षा को गड़बड़ी मुक्त और पारदर्शिता के साथ कराने को लेकर प्रतिबद्ध है। कोर्ट ने इसे लेकर जो भी निर्देश दिए है, उसका वह अक्षरशः पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि साथ ही परीक्षाओं में गड़बड़ी को रोकने और एनटीए में सुधार के लिए गठित कमेटी की जो भी सिफारिशें होगी, वह उन्हें जल्द से जल्द लागू भी करेंगे। उन्होंने कहा कि कोर्ट का यह निष्कर्ष परीक्षा को लेकर फैलाए गए झूठ और दुष्प्रचार को सिरे से खारिज करता है। साथ ही उन लाखों मेहनती छात्रों के हितों का रक्षा करने वाला भी है। नीट-यूजी पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर धर्मेंद्र प्रधान ने खुशी जताते हुए कहा कि यह सत्य की जीत है। उन्होंने कहा कि साथ ही परीक्षाओं में गड़बड़ी को रोकने और एनटीए में सुधार के लिए गठित कमेटी की जो भी सिफारिशें होगी वह उन्हें जल्द से जल्द लागू भी करेंगे।कहा कि कोर्ट का यह निष्कर्ष परीक्षा को लेकर फैलाए गए झूठ और दुष्प्रचार को सिरे से खारिज करता है। उन्होंने नीट पर सुनाए गए कोर्ट फैसले का तहे दिल से धन्यवाद किया और कहा कि इससे लाखों छात्रों की मेहनत पर पानी फेरने की कोशिश टल गई। गौरतलब है कि सरकार ने परीक्षा से जुड़ी गड़बडि़यों को रोकने और एनटीए में सुधार के लिए एक 24 जून को ही एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की थी।

श्रीलंका में कैद 21 भारतीय मछुआरों की घर वापसी, कोलंबो की जेल से रिहा होकर चेन्नई हवाई अड्डा पहुंचे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चेनन्ई। श्रीलंका की जेल में कैद 21 भारतीय मछुआरों की आज घर वापसी

हो गई है। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग द्वारा रिहा कराए गए ये मछुआरे चेनन्ई हवाई अड्डे पर पहुंचे हैं। श्रीलंका के कोलंबो में भारतीय उच्चायोग के आधिकारिक हैंडल ने सबसे पहले सोशल मीडिया प्लेटफार्म ॅ पर पोस्ट किया, ठघर वापसी! 21 भारतीय मछुआरों को सफलतापूर्वक वापस लाया गया है और वे कोलंबो से चेनन्ई के लिए रवाना हो गए हैं।बता दें कि गुरवार को श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग और जाफना में महावाणिज्य दूतावास ने श्रीलंका से इन मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित की थी।इससे पहले जाफना में भारतीय महावाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने कायट्स पुलिस स्टेशन का दौरा किया था और दो मछुआरों से मुलाकात की, जिनकी नाव श्रीलंकाई नौसेना की नाव से टकराने के बाद पलट गई थी। भारतीय महावाणिज्य दूत साई मुरली ने मछुआरों मुथुमुनियांडू और मूकैया का कुशलक्षेम पूछा।उन्होंने मछुआरों को हरसंभव सहायता का आश्वासन भी दिया। वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने उनके परिवारों को फोन कॉल की सुविधा भी दी।बता दें कि यह मामला गुरुवार को कच्चाथीवु द्वीप से 5 समुद्री मील उत्तर में एक श्रीलंकाई नौसैनिक पोत और एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव के बीच हुई टक्कर से जुड़ा है। हादसे में पोत पर सवार चार भारतीय मछुआरों में से एक की मौत हो गई, दूसरा लापता है और दो मछुआरों को बचा लिया गया है और उन्हें कांकेसंथुराई तट पर लाया गया।इसके जवाब में, विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में श्रीलंका के कार्यवाहक उच्चायुक्त को बुलाया और एक भारतीय मछुआरे की मौत पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

भारत में बढ़ने वाला है चीतों का कुनबा नई खेप से पहले राज्यों ने तेज की तैयारियां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देश में इस साल अक्टूबर-नवंबर तक आने वाली चीतों की खेप को लेकर राज्यों की दावेदारी सामने आने लगी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान के बाद अब गुजरात ने भी चीतों को बसाने को लेकर रुचि दिखाई है। साथ ही उन्हें रखने के लिए घास के मैदानों से घिरे कच्छ के रन स्थित बननी अभयारण्य में उससे जुड़ी जरूरी तैयारियां तेज कर दी है, जिसमें घेराबंदी सहित बाड़े (इनक्लोजर) आदि का निर्माण शामिल है। माना जा रहा है कि यदि चीतों की नई खेप आने तक गुजरात अपनी तैयारियों को चाकचौबंद कर लेता है

तो संभव है कि चीतों की आने वाले नई खेप में से कुछ चीते उसे भी दे दिए जाए। चीता प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल अब तक जो प्रस्तावित योजना है, उसके तहत चीतों की आने वाले नई खेप को मध्य प्रदेश के गांधी सागर या फिर नौरादेही अभयारण्यों में रखा जाना है, जहां इससे जुड़ी तैयारियां लगभग पूरी है।भारत में एक बार फिर चीतों का कुनबा बढ़ने वाला है। देश में इस साल अक्टूबर-नवंबर में चीतों की नई खेप लाई जाएगी जिसमें 10 से 12 चीतों को लाया जा सकता है। चीजों को रखने के लिए अलग-अलग राज्यों की ओर से दावेदारी भी पेश होना शुरू हो गई है।

हिमाचल और उत्तराखंड में लैंडस्लाइड की चेतावनी, दिल्ली में बारिश का येलो अलर्ट, राजस्थान में बरसेंगे बादल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देश में मानसूनी बारिश ने दिल्ली से लेकर पहाड़ी इलाकों तक तबाही मचा दी है। उत्तर भारत में मानसून के फिर से सक्रिय होने से जमकर बारिश हो रही है। उत्तराखंड और न्यूनतम 26 डिग्री तक रहने की संभावना है। उत्तर भारत में मानसून के फिर से सक्रिय होने से जमकर बारिश हो रही है। उत्तराखंड से लेकर हिमाचल के कई जिलों में बारिश की वजह से भूस्खलन हुआ जिसमें

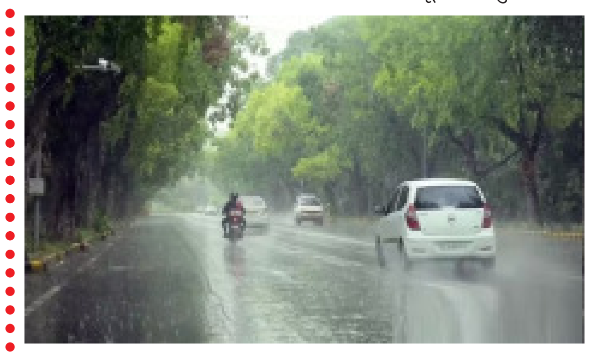

से लेकर हिमाचल के कई जिलों में बारिश की वजह से भूस्खलन हुआ जिसमें कई परिवारों की जान चली गई। वहीं, मौसम विभाग ने दिल्ली में आज बारिश होने की संभावना जताई है, साथ ही उदिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली का अधिकतम तापमान शुक्रवार को 33.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस रहा। दोनों ही सामान्य से एक एक डिग्री कम दर्ज किए गए। हवा में नमी का स्तर 100 से 74 प्रतिशत तक रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि शनिवार को भी बादलों की आवाजाही लगी रहेगी। कहीं- कहीं पर बूंदाबांदी और हल्की वर्षा भी हो सकती है। अधिकतम तापमान 34 कई परिवारों की जान चली गई। वहीं मौसम विभाग ने दिल्ली में आज बारिश होने की संभावना जताई है साथ ही उ.दिल्ली पंजाब हरियाणा गुजरात छत्तीसगढ़ जम्मू कश्मीर उत्तराखंड हिमाचल प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग ने तीन व चार अगस्त के दौरान भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। लाहुल स्पीति, किननैर व सिरमौर को छोड़ बाकी जिलों के लिए तीन व चार अगस्त को और उसके बाद सात व आठ अगस्त को आंधी के साथ भारी वर्षा की आशंका जताई है। प्रदेश में 115 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं, जबकि 225 ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित है। 106 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं।

भारतीय सेना के एडजुटेंट जनरल बने लेफ्टिनेंट वीपीएस कौशिक, निभा चुके हैं कई अहम जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल वीपीएस कौशिक ने भारतीय सेना के एडजुटेंट जनरल की नियुक्ति संभाली है।

शुक्रवार को प्रमुख नियुक्ति संभालने से पहले, वीपीएस कौशिक त्रिशक्ति कोर में जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के रूप में कार्यरत थे। सार्वजनिक सूचना महानिदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशालय ने एक्स पर कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल वीपीएस कौशिक ने भारतीय सेना के एडजुटेंट जनरल की नियुक्ति संभाली। इस प्रमुख नियुक्ति को संभालने से पहले, वह त्रिशक्तिकोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्यरत थे।लेफ्टिनेंट जनरल वीपीएस कौशिक ने भारतीय सेना के एडजुटेंट जनरल की नियुक्ति संभाली है। शुक्रवार को प्रमुख नियुक्ति संभालने से पहले वीपीएस कौशिक त्रिशक्ति कोर में जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के रूप में कार्यरत थे। इस बीच लेफ्टिनेंट जनरल विनोद नांबियार ने आर्मी एविएशन के महानिदेशक और कर्नल कमांडेंट की नियुक्ति भी संभाली। उन्होंने एनडब्लूयूएम पर बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस बीच, लेफ्टिनेंट जनरल विनोद नांबियार ने आर्मी एविएशन के महानिदेशक और कर्नल कमांडेंट की नियुक्ति भी संभाली। एक्स पर एक पोस्ट में, अतिरिक्त जन सूचना महानिदेशालय ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल विनोद नांबियार ने आर्मीएविएशन के महानिदेशक और कर्नल कमांडेंट की नियुक्ति ग्रहण की। नियुक्ति ग्रहण करने पर, उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक एनडब्लूयूएम पर बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक बनाए गए अमृत मोहन प्रसाद, गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 1989 बैच के ओडिशा कैडर के आईपीएस अधिकारी अमृत मोहन

प्रसाद को सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) के विशेष महानिदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। एक सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने अमृत मोहन प्रसाद, आईपीएस (ओडीः89) को सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक के रूप में नियुक्त करने के गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 1989 बैच के ओडिशा कैडर के आईपीएस अधिकारी अमृत मोहन प्रसाद को सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) के विशेष महानिदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू की जाती है। उन्हें पदभार ग्रहण करने की तिथि से 31.08.2025 तक अर्थात उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, वेतन मैट्रिक्स के लेवल-16 में नियुक्त किया जाता है।

’वायनाड से ध्यान भटकाना चाहते हैं राहुल गांधी, इस वजह से की ईडी की कल्पना’ राजीव चंद्रशेखर ने बोला हमला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने ऊपर ईडी की कार्रवाई की जो आशंका जताई है, उसे भाजपा ने कोरी कल्पना करार दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि दो बार वायनाड से सांसद चुने गए राहुल वहां ऐसी भयंकर त्रासदी के बाद पहुंचने वाले अंतिम व्यक्ति थे। चूंकि जनता इस पर प्रशन्न पूछ रही थी तो ध्यान भटकाने के लिए रात दो बजे उन्होंने ईडी की कल्पना कर ली या फिर सपना आ गया। चंद्रशेखर ने यूनाइटेड नेशन की जनरल असेंबली में की गई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों की सराहना के बिंदु भी विस्तार से साझा किए। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि वायनाड में हादसे के बाद से लोग पूछ रहे थे कि स्थानीय सांसद और आइएनडीआइए की सहयोगी राज्य सरकार की जिम्मेदारी और भूमिका क्या है। चंद्रशेखर ने तंज किसा कि राहुल को रात दो बजे किसी ने बोल दिया होगा कि लोग ऐसे सवाल पूछ रहे हैं। किसी तरह से इसे रोका जाए, नया नैरेटिव गढ़ा जाए, ताकि लोग वायनाड के बारे में न पूछें। लगता

है कि कांग्रेस की यह रणनीति है कि जब उनसे प्रशन पूछे जाते हैं तो उससे बचने के प्रयास में झूठ बोलते हैं। राहुल ने भी वायनाड के प्रशनें से बचने के लिए ईडी की कल्पना की या सपना देख लिया। एक प्रशन के उत्तर में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कर्नाटक में एक साल में 1200 किसानों ने आत्महत्या की है, लेकिन राहुल गांधी आज तक एक भी किसान के परिवार से मिलने नहीं गए। उनसे मिलकर सहानुभूति देनी चाहिए। कहना चाहिए कि हमारी सिद्दरमैया सरकार निकम्मी है। राजीव चंद्रशेखर ने बताया कि गत दिवस संयुक्त राष्ट्र के जनरल असेंबली के अध्यक्ष ने विस्तार से दुनिया के सामने उदाहरण रखते हुए कहा कि भारत में 80 करोड़ लोगों को गरीबी और 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है और यह प्रधानमंत्री मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों के कारण हुआ है। हर देश को इसी तरह अपने देश के गरीब लोगों को आगे बढ़ाने के लिए नीतियां बनानी चाहिए। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने ब्रिटेन से भारत की नीतियों को अपनाने का आग्रह किया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वायनाड से ध्यान भटकाने की खातिर राहुल गांधी ने ईडी वाली कहानी गढ़ी है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में 1200 किसानों ने आत्महत्या की है। राहुल गांधी उनके परिवार से क्यों नहीं मिले उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस से सवाल पूछे जाते हैं तो वह झूठ बोलने लगती है।

वायनाड त्रासदी के बाद एक्शन में केंद्र, 56 हजार वर्ग किमी क्षेत्र को इको सेंसिटिव घोषित करने के लिए जारी की मसौदा अधिसूचना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई को हुए भूस्खलन में अब तक करीब 300 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इस हादसे में अब तक 210 शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि अभी भी करीब 300 लोग लापता हैं। प्राकृतिक आपदा के तीन दिन बाद भी बचाव दल जीवित लोगों का पता लगाने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। वहीं, इस हादसे के बाद केंद्र सरकार भी एक्शन में आ गई है। पश्चिमी घाट के लगभग 56,800 वर्ग किलोमीटर को लेकर पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र (म्दित्दुर्म्त्व् एहेग्र्नी) घोषित करने के लिए केंद्र ने एक ड्राफ्ट अधिसूचना जारी की है। इस क्षेत्र में वायनाड के 13 गांव और केरल राज्य का लगभग 10,000 वर्ग किलोमीटर शामिल है। इस मसौदे में पश्चिमी घाट के करीब 36 प्रतिशत हिस्से को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील घोषित करने का प्रस्ताव है। मसौदा अधिसूचना में कहा गया है कि नागरिकों को इस बारे में टिप्पणी करने के लिए दो माह का समय दिया गया है। प्रस्तावित ईएसए में गुजरात में 449 वर्ग किमी, महाराष्ट्र में 17,340 वर्ग किमी, गोवा में 1,461 वर्ग किमी, कर्नाटक में 20,668 वर्ग किमी, तमिलनाडु में 6,914 वर्ग किमी

और केरल में 9,993.7 वर्ग किमी शामिल है। मसौदा अधिसूचना में खनन, उत्खनन और रेत खनन पर पूर्ण प्रतिबंध का सुझाव है। प्रस्ताव के मुताबिक, इसमें केरल का 9,994 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र शामिल होगा, जिसमें अकेले वायनाड के 13 गांव भी शामिल होंगे। इसमें प्रतिबंधित क्षेत्र में वाणिज्यिक गतिविधियों पर रोक लगाने की बात कही गई है। साथ ही मौजूदा खदानों को अंतिम अधिसूचना जारी होने की तारीख से या मौजूदा खनन पट्टे की समाप्ति पर, जो पहले हो, पांच साल के भीतर चरणबद्ध तरीके से बंद कर दिया जाएगा। इसमें नई ताप विद्युत परियोजनाओं पर भी रोक लगाई गई है। इसमें कहा गया है कि मौजूदा परियोजनाएं चालू रह सकती हैं, लेकिन विस्तार की अनुमति नहीं होगी। मौजूदा इमारतों की मरम्मत और नवीनीकरण को छोड़कर बड़े पैमाने पर निर्माण परियोजनाओं और टाउनशिप को भी प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव है। सभी मौजूदा स्वास्थ्य सेवा प्रतिष्ठान काम करना जारी रख सकते हैं और प्रस्तावित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कानूनों और विनियमों के अनुसार स्थापित किए जा सकते हैं। संपत्ति के स्वामित्व को बदलने पर कोई प्रतिबंध प्रस्तावित नहीं है। वायनाड त्रासदी के पीछे जिम्मेदार कौन वायनाड में हुए भीषण त्रासदी के पीछे अनियंत्रित व्यावसायीकरण को शुरुआती तौर पर जिम्मेदार माना गया है। मालूम हो कि छह राज्यों में फैले पश्चिमी घाट के क्षेत्रों को पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील घोषित करने की प्रक्रिया साल 2013 से चल रही है। पश्चिमी घाट गोदावरी, कृष्णा, कावेरी और कई अन्य नदियों का उद्गम स्थल है।

गृह मंत्रालय का बड़ा एक्शन एकसाथ हटाए गए बीएसएफ के डीजी और स्पेशल डीजी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।केंद्र ने शुक्रवार को बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल और विशेष महानिदेशक (पश्चिम) वाई बी खुरानिया को तत्काल प्रभाव से हटा दिया और उन्हें उनके संबंधित राज्य कैडर में वापस भेज दिया। खुरानिया 1990 बैच के ओडिशा कैडर के अधिकारी कैबिनेट की नियुक्ति समिति द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि उन्हें तत्काल प्रभाव से समय से पहले वापस भेजा जा रहा है।अग्रवाल 1989 बैच के केरल कैडर के अधिकारी हैं, जबकि खुरानिया 1990 बैच के ओडिशा कैडर के अधिकारी हैं।केंद्र सरकार के आदेश के अनुसार शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक नितिन अग्रवाल और उनके डिप्टी स्पेशल डीजी (पश्चिम) वाईबी खुरानिया को हटा दिया। वहीं आदेश के अनुसार उन्हें तत्काल प्रभाव से उनके राज्य कैडर में वापस भेज दिया। नितिन अग्रवाल 1989-बैच के केरल कैडर के अधिकारी हैं जबकि श्री खुरानिया 1990-बैच के ओडिशा कैडर के हैं। अग्रवाल ने पिछले साल जून में सीमा सुरक्षा बल प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला था। खुरानिया विशेष महानिदेशक (पश्चिम) के रूप में पाकिस्तान सीमा पर बल का नेतृत्व कर रहे थे। लगभग 2.65 लाख कर्मियों वाला बीएसएफ पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में बांग्लादेश के साथ भारतीय सीमाओं की रक्षा करता है।

मेघालय सरकार ने किसानों के हित में उठाया बड़ा कदम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मेघालय सरकार ने शुक्रवार को कृषि विपणन में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मदर डेयरी फरूट्स एंड वेजिटेबल्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्य में कृषि आपूर्ति श्रृंखला और कृषि विपणन को बढ़ाना है। मेघालय राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अनुसार, इस सहयोग से उपज के परिवहन समय में कमी आएगी, जिससे इसे बड़े बाजारों तक सुरक्षित पहुंचाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने इस पहल की प्रशंसा की। साथ ही मदर डेयरी के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला। मेघालय सरकार ने शुक्रवार को कृषि विपणन में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मदर डेयरी फरूट्स एंड वेजिटेबल्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्य में कृषि आपूर्ति श्रृंखला और कृषि विपणन को बढ़ाना है।

हम कृष्ण को करते हैं याद, उनको भाते हैं शकुनि’ राज्यसभा में शिवराज की कांग्रेस को खरी-खरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के अनुदानों पर चर्चा का जवाब देते हुए राज्यसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस को आड़े हाथों ले लिया। मोदी सरकार की बीते दस वर्षों की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि किसान हमारे लिए वोट बैंक नहीं, भगवान है। कांग्रेस के डीएनए में है किसान विरोधः शिवराज सिंह चौहान वहीं, प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर यूपीए सरकार तक के कार्यकाल के संदर्भों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस के डीएनए में ही किसान विरोध है। राज्यसभा में अपने मंत्रालय के अनुदानों पर चर्चा का शुक्रवार को उत्तर देते हुए शिवराज ने कहा- ’मैं सीधे-सीधे अपनी बात कहना चाहता था, लेकिन कांग्रेस सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने जब चर्चा की शुरुआत की तो छेड़ दिया। हम किसी को छेड़ते नहीं और कोई छेड़ दे तो छोड़ते नहीं।’कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला।उन्होंने कहा कि मैं सीधे-सीधे अपनी बात कहना चाहता था लेकिन कांग्रेस सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने जब चर्चा की शुरुआत की तो छेड़ दिया। हम किसी को छेड़ते नहीं और कोई छेड़ दे तो छोड़ते नहीं। सुरजेवाला को शकुनि याद आए। के डीएनए में ही किसान विरोध है।- शिवराज सिंह चौहान शिवराज ने कहा कि यह आज से नहीं है। प्रारंभ से ही कांग्रेस की प्राथमिकताएं गलत रही हैं।

चौसर चक्रव्यूह और इन सारे शब्दों का संबंध है अधर्म से। शकुनि छल धोखे और कपट के प्रतीक थे। सुरजेवाला को शकुनि याद आए। चौसर, चक्रव्यूह और इन सारे शब्दों का संबंध है अधर्म से। शकुनि छल, धोखे और कपट के प्रतीक थे। चक्रव्यूह मतलब घेरकर मारना। कांग्रेस को क्यों चक्रव्यूह और चौसर याद आते हैं। हम तो महाभारत काल में जाते हैं तो भगवान कृष्ण याद आते हैं। अनीति, अधर्म और ठगी किसने की? कांग्रेस पंडित जवाहरलाल नेहरू रूस गए और वहां का मॉडल देखकर आए तो बोले कि इसे लागू करो। भारत रतन्न चौधरी चरण सिंह ने मना कर दिया। कहा कि भारत की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। नेहरू ने 17 वर्ष तक प्रधानमंत्री के पद को सुशोभित किया और अमेरिका का सड़ा हुआ लाल गेहूं भारत को खाने पर मजबूर किया। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समय किसानों से जबरन लेवी वसूली जाती थी। रखा हुआ अनाज उठा लिया जाता था। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी एग्रीकल्चर प्राइस पालिसी की बात जरूर की, लेकिन किसानों की आय बढ़ाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। फिर उदारीकरण का आरंभ हुआ, पीवी नरसिम्हा पीएम और मनमोहन सिंह वित्त मंत्री थे, लेकिन उस समय भी कृषि से जुड़े उदयोगों की डीलाइसेंसिंग नहीं की गई। कृषि मंत्री ने यूपीए शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि 2004 से 2014 तक की क्या बात करें। उस समय भारत घोटालों के देश के रूप में जाना गया। तब भारत के राजनीतिक क्षितिज पर नरेन्द्र मोदी के रूप में एक दैदीप्यमान सूर्य का उदय हुआ, जिन्होंने सारे देश को आशा से भर दिया।कांग्रेस द्वारा किसान फसल बीमा पर प्रशन्न खड़े किए जाने पर कहा कि कांग्रेस के समय फसल बीमा योजना की यूनिट तहसील थी, मतलब एक गांव की फसल खराब हो जाए तो मतलब किसान प्रार्थना करें कि सारे तहसील की फसल खराब हो जाए, जबकि पीएम मोदी ने जो किसान फसल बीमा योजना शुरू की, उसका अध्ययन करने के लिए दूसरे देशों के विशेषज्ञ आ रहे हैं।

अगर मोबाइल में नहीं आया नेटवर्क तो कंपनी को देना पड़ेगा मुआवजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जिला स्तर पर 24 घंटे या इससे ज्यादा सेवाएं बाधित रहने पर दूरसंचार कंपनियों को उपभोक्ताओं

को मुआवजा देना होगा। दूरसंचार रेग्युलेटर ट्राई की ओर से शुक्रवार को जारी नए गुणवत्ता सेवा नियमों में यह प्रविधान किया गया है। ट्राई ने नए नियमों के तहत प्रत्येक गुणवत्ता मानक को पूरा न करने पर जुर्माने की राशि भी 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी है।जिला स्तर पर 24 घंटे या इससे ज्यादा सेवाएं बाधित रहने पर दूरसंचार कंपनियों को उपभोक्ताओं को मुआवजा देना होगा। ट्राई ने नए नियमों के तहत प्रत्येक गुणवत्ता मानक को पूरा न करने पर जुर्माने की राशि भी 50000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी है। ट्राई के यह नए नियम छह महीने बाद प्रभावी होंगे। रेग्युलेटर ने एक्सेस सेवाओं (वायरलेस व वायरलाइन) और ब्रॉडबैंड (वायरलेस व वायरलाइन) सेवा संशोधित विनियम, 2024 के तहत नियम उल्लंघन के विभिनन्न पैमानों के लिए एक लाख, दो लाख, पांच लाख और 10 लाख रुपये की श्रेणीबद्ध जुर्माना प्रणाली शुरू की है। नए नियम तीन विनियमों, बेसिक और सेलुलर मोबाइल सेवाओं, ब्रॉडबैंड सेवाओं और ब्रॉडबैंड वायरलेस सेवाओं के लिए सेवा की गुणवत्ता (क्यूओएस) का स्थान लेंगे। नए नियमों के तहत एक जिले में नेटवर्क में बाधा की स्थिति में दूरसंचार ऑपरेटर्स को पोस्टपेड ग्राहकों को मासिक शुल्क में छूट प्रदान करनी होगी और प्रीपेड ग्राहकों की वैधता बढ़ानी होगी। रेग्युलेटर मासिक शुल्क में छूट या वैधता की गणना के लिए एक कैलेंडर दिन में 12 घंटे से अधिक की नेटवर्क बाधा अवधि को एक पूर्ण दिन के रूप में गिनेगा। हालांकि, प्राकृतिक आपदा के कारण होने वाली समस्या की गणना नहीं होगी। यदि फिक्स्ड लाइन सेवा प्रदाताओं के नेटवर्क या सेवा में खराबी तीन दिन बाद ठीक होती है तो उन्हें भी पोस्टपेड और प्रीपेड ग्राहकों को मुआवजा देना होगा। ट्राई के यह नए नियम छह महीने बाद प्रभावी होंगे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

बिग बॉस ओटीटी 3 विनर सना मकबूल को उनके ब्वॉयफ्रेंड ने खास पोस्ट के साथ दी बधाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'बिग बॉस ओटीटी 3' के विनर का ताज सना मकबूल के सिर सज चुका है। एक चमचमाती ट्रॉफी पर खुशी से फूले नहीं समा रहा था। यह शख्स है सना के ब्वॉयफ्रेंड श्रीकांत बुरेड्डी। सना मकबूल की जीत पर उनके कई फैंस ने खुशी जताई है। सवाल पूछा गया। इस दौरान उनके चेहरे पर बड़ी सी स्माइल थी। उन्होंने बातों ही बातों में हिंट दिया कि वह एक्ट्रेस से शादी करेंगे। उन्होंने कहा

और 25 लाख की प्राइज मनी के साथ वह इस सीजन की विनर बनी हैं। जहां, सना ने इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, रैपर नेजी दूसरे नंबर पर और रणवीर शौरी ने तीसरी पोजिशन हासिल की। एक्ट्रेस की जीत पर उन्हें फैंस ने बधाई दी है। सना मकबूल की जीत पर उनकी मां और बहन की खुशी साफ देखने को मिली। वह उन्हें बधाई देने के लिए मंच तक पहुंचीं। इसके अलावा वहां एक और व्यक्ति मौजूद था, जो सना की जीत जब अनिल कपूर ने विनर के लिए उनके नाम की घोषणा की, तो एक्ट्रेस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वहीं, उनके ब्वॉयफ्रेंड श्रीकांत बुरेड्डी ने सोशल मीडिया पर एक स्पेशल मैसेज शेयर करते हुए सना और ट्रॉफी के साथ पोज दिया। श्रीकांत बुरेड्डी ने सना के 'बिग बॉस ओटीटी 3' जीतने पर खुशी जाहिर की है। साथ ही उनके साथ अपने फ्यूचर प्लान पर भी बड़ा खुलासा किया है। श्रीकांत रेड्डी से सना मकबूल से शादी का कि अभी कुछ नहीं होने वाला है, लेकिन ऐसा (शादी) पक्की बात है कि होगी। जब ऐसा होता, तो सबको बुलाया जाएगा। सना मकबूल ने शो में अपनी पर्सनल लाइफ की डिटेल्स को पर्सनल रखना ही सही समझा। लेकिन अब फैंस यह जानने के लिए एक्साइटेड हैं कि श्रीकांत बुरेड्डी कौन हैं। यह मिस्ट्री मैन कोई और नहीं बल्कि बडीलोन के संस्थापक श्रीकांत बुरेड्डी हैं। बडीलोन पर्सनल लोन देने वाली कंपनी है।

सुनिधि चौहान ने अरिजीत सिंह को बताया म्यूजिक का स्टूडेंट, कहा वो हर चीज को अपना लेते हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अरिजीत सिंह की आवाज के कई दीवाने हैं। रूह में उतरने वाली अपनी आवाज से सिंगर ने लाखों दिलों पर कब्जा कर रखा है। शायद यही एक वजह है कि उनके हैं कि इंडस्ट्री के अन्य सिंगर उनकी तारीफ करते नहीं थकते। ऐसा ही कुछ मानना है सिंगर सुनिधि चौहान का। सुनिधि चौहान के मुताबिक अरिजीत के बारे में जो बात सबसे खास है वह है उनका शानदार नेचर

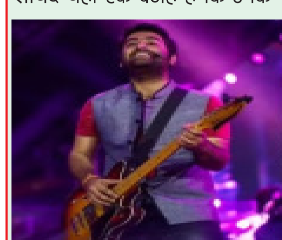

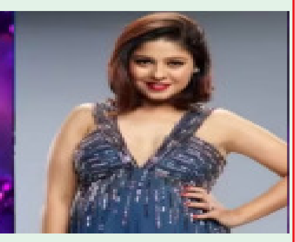

गाने हमेशा चार्टबीट पर टॉप पर रहते हैं। इन सबके अलावा सिंगर के बारे में एक और चीज खास है और वो है उनका विनम्र स्वभाव और कला के प्रति उनका समर्पण जो उन्हें औरों से अलग बनाता है। ये बात सिर्फ हम ही नहीं बल्कि इंडस्ट्री में उनके अन्य फैंस भी कहते हैं। हाल ही में राज शमानी के पॉडकास्ट में सुनिधि चौहान ने अरिजीत के बारे में कई बातें बोलीं। सुनिधि ने बताया कि अरिजीत सिंह उस समय भी घर जैसा फील करते हैं और कंफर्टेबल होते हैं जब वो कंसर्ट कर रहे होते हैं और लाखों करोड़ों फैंस से घिरे होते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि वो अपने संगीत में इतने डूब हुए हैं कि उन्हें अपने आसपास से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। अरिजीत सिंह बॉलीवुड इंडस्ट्री के जाने माने प्लेबैक सिंगर और म्यूजिक कंपोजर हैं। सिंगर इतने विनम्र इंसान और डेडिकेशन। सिंगर ने अरिजीत के बारे में ऐसे कई अन्य राज खोले। सिंगर ने बताया कि अरिजीत अभी भी एक स्टूडेंट हैं और लगातार म्यूजिक सीखते रहते हैं। उन्होंने कहा कि ये अरिजीत की वर्सेटैलिटी ही है कि वो जो गाना गाते हैं उसे अपना बना लेते है। उन्हें खुद को सेल्फ-ग्लोरिफाई करना पसंद नहीं है। यही चीज उन्हें जमीन से जुड़े रहने और संगीत के प्रति अपने प्यार पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है। कैंसिल करना पड़ा कंसर्ट बता दें कि अरिजीत सिंह का 11 अगस्त को यूके में कंसर्ट था। हालांकि प्लेबैक सिंगर की तबियत ठीक ना होने की वजह से इसे पोस्टपोन कर दिया गया है। सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर नोट शेयर कर फैंस के साथ यह जानकारी साझा की है। इस नोट में उन्होंने फैंस से माफी मांगी और बताया कि अब यह शो सितंबर में होगा।

गैंगस्टर लुक में एपी ढिल्लों सलमान खान संजय दत्त के साथ 'ओल्ड मनी' में दिखाएंगे एक्टिंग का दम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। म्यूजिक इंडस्ट्री में अपने गानों से धाक जमाने वाले सिंगर एपी ढिल्लों (ंझ् अ्प्त्त्दह) के गाने यूथ के बीच जबरदस्त फेमस हैं। 'ब्राउन मुंडे', 'समर हाई' जैसे धमाकेदार सॉन्ग्स को अपनी आवाज देने वाले एपी ढिल्लों अब सलमान खान और संजय दत्त हैं। उनके चेहरे पर सीरियस एक्सप्रेशन और आंखों में गुस्सा नजर आ रहा है। वहीं, संजय दत्त के लुक की बात करें, तो वह भी सीरियस लुक में ही नजर आ रहे हैं। इनके साथ खड़े एपी ढिल्लों हाथ में गन लिए देखे जा सकते हैं।सलमान खान (ऐर्त्र्स्ह ख्र्ेह) और संजय दत्त की और आंखों में गुस्सा नजर आ रहा है। वहीं, संजय दत्त के लुक की बात करें, तो वह भी सीरियस लुक में ही नजर आ रहे हैं। इनके साथ खड़े एपी ढिल्लों हाथ में गन लिए देखे जा सकते हैं।सलमान खान, संजय दत्त और एपी ढिल्लों का यह नया प्रोजेक्ट एक वीडियो एल्बम है। वहीं, सिंगिंग

के साथ धमाका करने के लिए तैयार हैं बॉलीवुड में सलमान खान (ऐर्त्र्स्ह ख्र्ेह) का रौला देखने को मिलता है। फैंस के 'भाईजान' अपने करीबी दोस्त और एक्टर संजय दत्त के साथ एक बार फिर मैजिक दिखाते नजर आएंगे। सिंगर एपी ढिल्लों ने अपकमिंग सिंगल रिलीज का पोस्टर रिलीज किया है, जिसके साथ ही उसका टाइटल भी आउट हो चुका है। एपी ढिल्लों ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें तीनों ही स्टार्स इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। यह एनिमेटेड पोस्टर है। सलमान खान हाथ में पैसे लिए नजर आ रहे जोड़ी का कमाल कई मूवीज में देखने को मिला है। सिल्वर स्क्रीन पर अक्सर एक दूसरे के साथ भाई या दोस्त के रोल में नजर आ चुके इन दोनों सुपरस्टार्स की जोड़ी का जादू एक बार फिर स्क्रीन पर देखने को मिलेगा। उनके साथ सिंगिंग की दुनिया के बादशाह एपी ढिल्लों भी एक्टिंग करते नजर आएंगे।एपी ढिल्लों ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें तीनों ही स्टार्स इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। यह एनिमेटेड पोस्टर है। सलमान खान हाथ में पैसे लिए नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे पर सीरियस एक्सप्रेशन के बाद अब फैंस को एपी ढिल्लों की एक्टिंग भी देखने को मिलेगी।इस पोस्टर टीजर के सामने आने के बाद जहां फैंस की तीनों को साथ देखने की एक्साइटमेंट बढ़ गई है, वहीं खुद सलमान खान भी एपी ढिल्लों की एक्टिंग देखने के लिए एक्साइटेड हैं। उन्होंने इस पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा, 'सिंगर तो अच्छा था ही, अब एक्टर के तौर पर एपी। सिंगिंग एक्शन स्टार।' वहीं, संजय दत्त ने इस पोस्टर पर 'ब्रदर्स' लिखकर कमेंट किया है।

तब्बू को जर्नलिस्ट के सवाल पर आया गुस्सा, बोलीं - आप उनसे जाकर क्यों नहीं पूछते

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तब्बू बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। हाल ही में अजय देवगन के साथ उनकी फिल्म औरों में कहा दम था रिलीज हई है। ये एक रोमांटिक लवस्टोरी है जिसे ऑडियंस की ओर से मिक्सड रिव्यू इस बारे में आप उनसे क्यों नहीं पूछते जो लोग मेल एक्टर्स को ज्यादा पे करते हैं तब्बू ने कहा, सारे जर्नलिस्ट फीमेल एक्ट्रेस से क्यों इस बारे में पूछते हैं आपको पता है कि मेल एक्ट्रर्स को ज्यादा सैलरी मिलती है, फीमेल को कम मिलती है तो आप

मिल रहे हैं। तब्बू और अजय देवगन की दोस्ती काफी अच्छी है। हाल ही में दोनों एक्टर फिल्म औरों में कहा दम था में साथ नजर आए। इस फिल्म को नीरज पांडे ने डायरेक्ट किया है। हाल ही में फिल्म प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में वेतन समानता के महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपने विचारों को खुलकर साझा किया। हाल ही में एक्ट्रेस ने फिल्म के प्रमोशन को लेकर वी ऑर युवा को इंटरव्यू दिया जिसमें उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक्टर और एक्ट्रेस की सैलरी डिफरेंस पर बात की। आपको पता होगा कि इंडस्ट्री में कई बार ये मुद्दा उठता है कि मेल एक्टर्स को फीमेल एक्ट्रेस से ज्यादा पैसे मिलते हैं। इस बारे में जब तब्बू से सवाल किया गया तो उन्होंने झल्लाते हुए कहा कि मुझसे क्यों पूछ रहे हैं आप उस व्यक्ति से क्यों नहीं पूछते जो उन्हें पेमेंट कर रहा है मुझे इस प्रशन का उत्तर कैसे देना चाहिए तब्बू ने कहा कि क्या आप इसे सेंसलाइज करना चाहते हैं कि मुझे इस बात का बहुत दुख है कि मुझे कम भुगतान किया जा रहा है मुझे जो भुगतान किया जा रहा है, उससे मुझे कोई आपत्ति नहीं है। आप मेल एक्टर्स से यह क्यों नहीं पूछते कि आपको अधिक भुगतान क्यों मिल रहा है फिल्म औरों में कहा दम था 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को नीरज पांडेय ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में जिमी शेरगिल, शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर ने भी प्रमुख भूमिका निभाई है।

सना मकबूल की जीत पर रणवीर शौरी ने कसा तंज, कहा जिसकी सबसे ज्यादा सोशल मीडिया फॉलोइंग है उसे ट्रॉफी दे दो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 का ग्रैंड फिनाले हो चुका है। सना मकबूल कि मैं सेल्फिश हूं, बस ट्रॉफी जीतने आई हूं। ग्रैंड फिनाले एपिसोड में सना और नेजी के बीच कड़ी टक्कर देखी

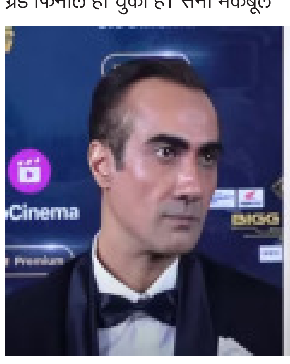

इस सीजन की विजेता रहीं। इसी के साथ सना मकबूल की ट्रॉफी जीतने का सपना भी पूरा हुआ क्योंकि वो पहले ही दिन से कहती आ रही थीं गई लेकिन खुद को डीवा कहने वाली एक्ट्रेस ने उन्हें बीचे छोड़ बिग बॉस की ट्रॉफी और 25 लाक रुपये का कैश प्राइज अपने नाम किया। लेकिन फिनाले बिना कंट्रोवर्सी के पूरा हो जाए ऐसा कैसे हो सकता है? शो से निकलने के बाद इसके कई कंटेस्ट इंटरव्यू दे रहे हैं जहां वो अपने को कंटेस्टेंट के बारे में कई शॉकिंग राज खोलते नजर आए। बिग बॉस ओटीटी 3 का विनर चुन लिया गया है। इस सीजन की मॉडल और एक्ट्रेस सना मकबूल विजेता रहीं। इस बार बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 के होस्ट अनिल कपूर थे। सना ने रणवीर शौरी साई केतन राव नेजी और कृतिका मलिक को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। तीसरे सीजन की शुरुआत 21 जून से स्ट्रीमिंग ऐप जियो सिनेमा पर हुई थी.रणवीर शौरी से जब टेली मसाला ने पूछा कि सना मकबूल के ट्रॉफी जीतने पर आप क्या कहेंगे तो इस पर रणवीर ने बहुत ही क्लियर जवाब दिया और कहा, 'मैं यही कहूंगा कि बिग बॉस का फैसला और जनता ने जो वोटिंग की है उसे मैं सर आंखों पर रखता हूं लेकिन मेरे हिसाब से उससे कही ज्यादा डिजर्विंग लोग थे जो ट्रॉफी डिजर्व करते थे।' रणवीर ने डिजर्विंग कौन था पूछे जाने पर अपना और अरमान मलिक का नाम लिया।रणवीर शौरी इससे पहले भी इनडायरेक्टली सना की जीत पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर प्रतियोगियों को उनके सोशल मीडिया फॉलोइंग के आधार पर बिग बॉस के घर में बनाए रखा जाता है, तो मेकर्स को प्रतियोगिता को अलग करते हुए, सबसे अधिक फॉलोअर्स वाले को ट्रॉफी पहले ही दे देनी चाहिए।एक्टर ने कहा, अगर सिर्फ सोशल मीडिया फॉलोइंग के आधार पर शो पे रहेंगे, तो उससे अच्छा ये है कि जिसकी सबसे ज्यादा सोशल मीडिया फॉलोइंग है उसको सीधा ट्रॉफी दे दो।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई डॉक्युमेंट्री, राजामौली की इनसाइड स्टोरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दुनिया के बेहतरीन निर्देशकों की बात की जाये तो इसमें एक नाम जरूर शामिल किया जाता है और वो हैं एसएस राजामौली राजामौली ने सालों तक इंडस्ट्री में संघर्ष किया और एक फिल्म ने उनकी एसएस राजामौली को किसी परिचय की जरूरत नहीं है। पिछले 9 साल उनके लिए सिनेमा में शानदार रहे। हाइएस्ट पेड डायरेक्टर्स में से एक राजामौली को आज देश के सबसे महत्वपूर्ण निर्देशकों में गिने जाते हैं।डॉक्युमेंट्री मॉडर्न मास्टर्सः एसएस निजी जिंदगी के कुछ पुराने विजुअल्स प्रभावित कर सकते हैं। डॉक्युमेंट्री लगभग 74 मिनट की है। डॉक्युमेंट्री में एमएम कीरवाणी, राजमौली के पिता केवी विजयेंद्र प्रसाद, राम चरन, करण जौहर से लेकर जेम्स कैमरून और जो रूसो तक के इंटरव्यूज दिखाये बॉक्स ऑफिस पर चलीं, लेकिन उन्हें वैसी पॉपुलैरिटी नहीं दिलाई जैसी बाहुबली से मिली।2015 में उन्होंने दुनिया की सबसे महंगी फिल्मों में से एक बाहुबली बनाई और इसने रिकॉर्डतोड़ कमाई की। हालांकि, इससे पहले उनकी फिल्म

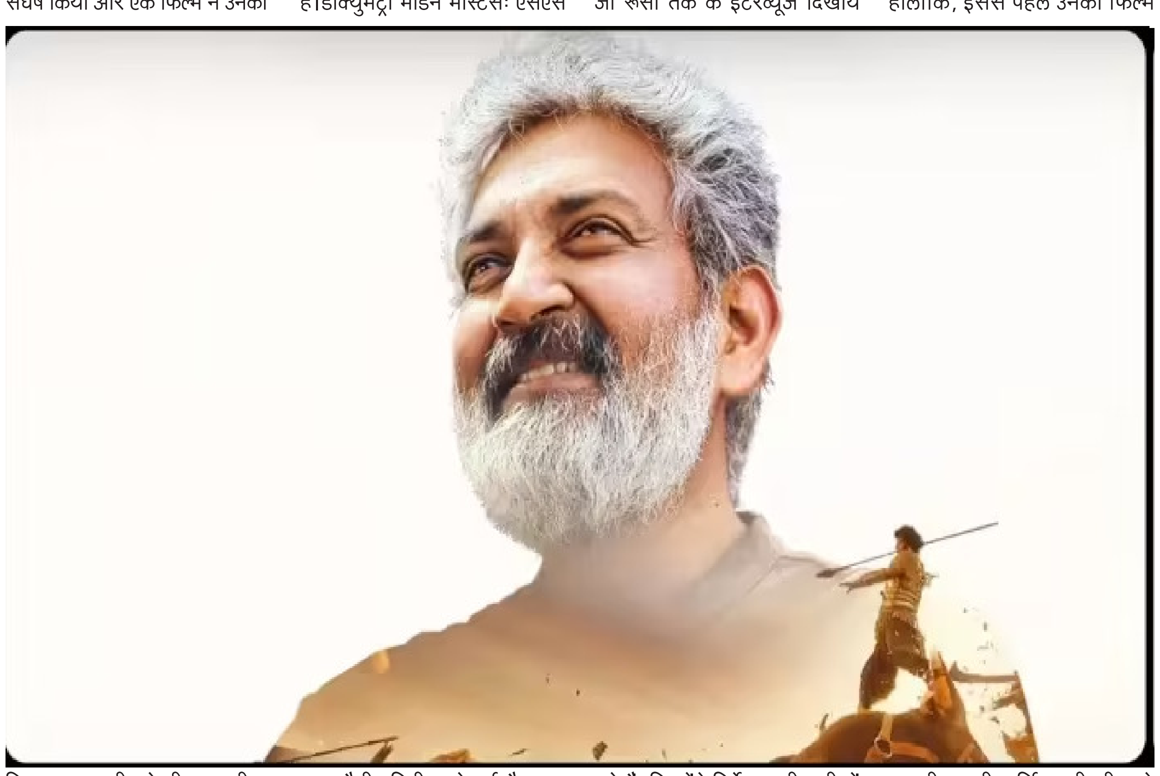

किस्मत बदल दी, वो थी बाहुबली द बिगनिंग फिर आरआरआर ने उन्हें दुनियाभर में मशहूर कर दिया। बड़े पर्दे पर दिलचस्प कहानियों को उतारने वाले एसएस राजामौली की कहानी अब ओटीटी पर उतर आई है। मॉडर्न मास्टर्स एसएस राजामौली के नाम से बनी दिग्गज निर्देशक राजामौली की डॉक्युमेंट्री पर रिलीज हो गई है। नेटफ्लिक्स पर डॉक्युमेंट्री शुक्रवार को जारी कर दी गई है। लगभग सवा घंटे की फिल्म में राजामौली की फिल्ममेकिंग की झलकियां हैं। आज राजामौली रिलीज हो गई है। क्या है दिखाती है नेटफ्लिक्स की डॉक्युमेंट्री इस डॉक्युमेंट्री का निर्माण अप्लॉज एंटरटेनमेंट के साथ फिल्म कम्पेनियन स्टूडियोज ने किया है। इसमें प्रमुख रूप से बाहुबली फिल्म की जापान रिलीज से लेकर आरआरआर के ऑस्कर तक जाने की घटनाओं को शामिल किया गया है।राजामौली की विभिनन्न फिल्मों की शूटिंग करने के दृश्य हैं। हालांकि, ऐसी जानकारियां कम ही हैं, जिनके बारे में राजामौली के फैंस ना जानते हों। राजामौली की गये हैं, जिन्होंने निर्देशक की तारीफों के पुल बांधे हैं।कैमरून ने कहा कि ऐसी कोई वजह नहीं कि राजामौली वेस्ट राजामौली को मौके ना दे। राणा दग्गूबटी, राम चरण और प्रभास ने एसएस राजामौली संग काम करने का अनुभव शेयर किया है। एसएस राजामौली ने अपना करियर साल 2001 में फिल्म स्टूडेंट नंबर 1 से बतौर डायरेक्टर शुरू किया था। उन्होंने सिम्हाद्रि, रगबी, छत्रपति और विक्रमारकुडु जैसी फिल्में बनाईं। यूं तो उनकी फिल्में मक्खी काफी चर्चित रही थी, जो हिंदी में भी रिलीज हुई थी।2017 में बाहुबली का दूसरा पार्ट भी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुआ था। फिर आई आरआरआर जिसने उन्हें ऑस्कर तक पहुंचाया।फिल्म के गाने नाटू नाटू को ऑस्कर अवॉर्ड मिला था। बेस्ट डायरेक्टर के लिए राजामौली नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं। 2016 में उन्हें पद्म श्री से नवाजा गया था। डॉक्युमेंट्री का निर्देशन राघव खनन और तन्वी अजिंक्य ने किया है।

पेरिस ओलंपिक के समापन समारोह में खतरनाक स्टंट परफॉर्म करेंगे टॉम क्रूज अगले मेजबान को सौपेंगे टॉर्च

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक का 11 अगस्त को समापन होना है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि हॉलीवुड स्टेडियम के ऊपर से ओलंपिक फ्लैग लेते हुए आएंगे और अगले मेजबान देश को इसे सौंप देंगे। इस तरह पेरिस 2024 से लॉस एंजिल्स 2028 खेल

स्टार टॉम क्रूज इसका हिस्सा बन सकते हैं। कहा जा रहा है कि टॉम हैंडओवर के समय एक मेजर स्टंट भी परफॉर्म करेंगे। उन्हें मिशन इम्पॉसिबल सीरीज, टॉप गन और ऐज ऑफ टुमॉरो जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।पेरिस ओलंपिक का आगाज 11 जुलाई को हुआ था। खेल धीरे-धीरे अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। 11 अगस्त को समापन समारोह होना है जिसमें हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज एक खतरनाक स्टंट परफॉर्म करते नजर आएंगे। 61 वर्षीय अभिनेता के साथ सीन शूट कर लिया गया है। एक्टर को मिशन इम्पॉसिबल जैसी सीरज के लिए जाना जाता है।इस दौरान पेरिस 2024 से लॉस एंजिल्स 2028 खेल के मेजबान शहर को ओलंपिक ध्वज सौंपा जाएगा। और डेडलाइन की रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टर अपनी हॉलीवुड फिल्म मिशन इम्पॉसिबल के कुछ स्टंट इवेंट के दौरान परफॉर्म करते नजर आएंगे। खबरों की मानें तो एक्टर स्टेट डी फ्रांस के मेजबान शहर को ओलंपिक ध्वज सौंपा जाएगा।वैसे तो इवेंट के बारें में कई जानकारियां गुप्त रखी गई हैं लेकिन कहा जा रहा है कि ओलंपिक फ्लैग को पेरिस मेयर ऐनी हिडाल्गो से एलए के मेयर करेन बास को ट्रांसफर किया जाएगा। टॉम क्रूज को अपने डेयर डेविल स्टंट के लिए जाना जाता है जिसकी वजह से ही ऐसा प्लान किया गया है। की रिपोर्ट्स के मुताबिक इस स्टंट को चुपचाप शूट भी कर लिया गया है।साल 2028 के समर ओलंपिक्स 14 से 30 जुलाई तक लॉस एंजिल्स में चलेंगे। लॉस एंजिल्स ने साल 1932 और 1984 में भी खेलों की मेजबानी की थी। जिमी फॉलन और माइक टिरिको अमेरिकन टेलिविजन नेटवर्क पर इसे होस्ट करते नजर आएंगे। पेरिस में चल रहे ओलंपिक में भारत का प्रदर्शन अब तक ठीक ठाक रहा है। निशानेबाज पदक पर खूब निशाना लगा रहे है। भारत ने अबतक तीन कांस्य पदक जीते हैं।

राजीव खंडेलवाल ने पाकिस्तानी कलाकारों को बैन करने पर किया रिएक्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने हाल ही में पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध को लेकर अपनी

नाराजगी जताई है। एक इंटरव्यू में उन्होंने इस मुद्दे पर अपने विचार साझा किए और इसे राजनीति से प्रेरित बताया। राजीव खंडेलवाल ने कहा कि जहां अमन चैन हो सकता है, वहां भी हिंदू - मुस्लिम की बात करके चीजें खराब कर दी जाती हैं। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में उन्होंने पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगाने के बारे में बोलते हुए कहा, ठनहीं नहीं, ये राजनीति है। बहुत गलत है। लोगों को बैन करने वाले कौन होते हैं राजनेता। हमारी राजनीति कुछ चीजों को तय करती है। जहां पर प्यार बढ़ सकता है, उस प्यार को भी आप बढ़ाने नहीं दे रहे, चाहे किसी भी कारण से। इसलिए, मुझे ये समझ में नहीं आता। उन्होंने आगे कहा, ठमेरा कमेंट करना भी गलत होगा, क्योंकि मुझे समझ ही नहीं आता है कि क्यों। हम अमन की बात करते हैं ना, तो जहां अमन बन रहा है वहां भी राजनीतिक पार्टी के लोग आ के उनको हिंदू- मुस्लिम का एंगल दे देते हैं। तो वो गलत है। ऐसा थोड़ी है कि पाकिस्तान की सरकार उन्हें एजेंट की तरह भेज रही है। पता नहीं। मैंने बहुत प्यार आते देखा है।

अनगिनत रिजेक्शन से टूट गई थीं ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ऋतिक रोशन की फिल्म 'कोई मिल गया' है, जिसने उनकी चचेरी बहन पश्मीना रोशनको फिल्मों में आने के लिए मजबूर किया। वह जब फिल्म के सेट पर गईं, तभी उन्होंने ठान लिया था कि वह अभिनेत्री बनेंगी। मगर जब उन्होंने अभिनय की राह चुनी तब रिजेक्शन ने उन्हें एक पल के लिए तोड़ दिया था। फिल्म डायरेक्टर राजेश रोशन की बेटी पश्मीना रोशन ने 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। फिल्म में उन्होंने रोहित सराफ, जिबरान खान और नैला ग्रेवाल जैसे सितारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। यूं तो वह फिल्मी बैकग्राउंड से से आती हैं, लेकिन रिजेक्शन का सामना उन्हें भी करना पड़ा है।

सम्पादकीय

वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी का नतीजा

अगर समय रहते हम वैज्ञानिकों, पर्यावारणविदों और विशेषज्ञ संस्थानों की चेतावनियों की अनदेखी कर बैठे रहेंगे तो इसी तरह के भयावह हादसों को इंतजार करना पड़ेगा। भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा गत् वर्ष तैयार भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील देश के 147 जिलों के मानचित्र में हिमालयी राज्यों में उत्तराखण्ड को सर्वाधिक और उसके बाद दक्षिण में केरल को दूसरे नंबर पर संवेदनशील दर्शाया गया था। दरअसल, इस मानचित्र में उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग और टिहरी समेत सभी 13 जिले भूस्खलन के लिए संवेदनशील बताए गए थे, जबकि उसी मानचित्र में केरल के सभी 14 में से 14 जिलों को भी संवेदनशील माना गया था, जिनमें केरल के थ्रिसूर को तीसरे, पालाक्काड पांचवें, मालपापुरम सातवें, कोजिकोडा दसवें और बायनाड को 13वें नम्बर पर रखा गया था। इसरो द्वारा किए गए उस वैज्ञानिक अध्ययन का नतीजा हम पिछले साल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में तो देख ही चुके थे लेकिन अब इसरो की भविष्यवाणी केरल में 30 जुलाइ की प्रातः सामने आ गई।अगर समय रहते हम वैज्ञानिकों, पर्यावारणविदों और विशेषज्ञ संस्थानों की चेतावनियों की अनदेखी कर बैठे रहेंगे तो इसी तरह के भयावह हादसों को इंतजार करना पड़ेगा। पश्चिमी घाट और हिमालयी राज्यों में भूस्खलन का जोखिम अवश्य ही प्राकृतिक है जिसे हम दूर नहीं कर सकते लेकिन यह जोखिम मानवीय कारकों के कारण काफी बढ़ गया है, इसलिए बचने के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति के साथ जीना सीखें और जहां तक संभव हो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करें। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग की 2001 की वन स्थिति रिपोर्ट पर गौर करें तो उस समय केरल में 11,772 सघन वन और 3,788 खुले वन थे। विभाग की नवीनतम 2021 की रिपोर्ट में सघन वनों को अति सघन और सामान्य सघन वन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इस रिपोर्ट में राज्य में 1,944 वर्ग किमी अति संघन, 9,472 वर्ग किमी सामान्य सघन और 9,837 खुले वन दिखाए गए हैं। नवीनतम् रिपोर्ट के सघन वनों की दोनों श्रेणियों को जोड़ा जाए तो वह 11,416 वर्ग किमी बनता है। जबकि 2001 में राज्य में कुल 11,772 वर्ग किमी सघन वन थे। इस तरह राज्य में दो दशकों में 356 वर्ग किमी सघन वन गायब हो गए। वर्ष 2019 की रिपोर्ट की तुलना में भी 2 साल के अन्दर ही केरल में 36 वर्ग किमी सघन वन घट गए और खुले वनों का आकार 136 वर्ग किमी बढ़ गया। सघन वन धरती की एक प्राकृतिक छतरी होते हैं जो कि बारिश की तेज बूंदों को तो थामती ही है, साथ ही उन वृक्षों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं जिससे भूस्खलन रुकता है। भूस्खलन पहाड़ी क्षेत्रों में ही होता है इसीलिए हिमालयी राज्यों के साथ ही पश्चिमी घाट से संबंधित कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, गोवा और गुजरात के पहाड़ी क्षेत्रों को भूस्खलन के लिए अधिक संवेदनशील माना गया है। केरल के 14 में से 10 जिले पहाड़ी हैं जहां 16, 959 वर्ग किमी क्षेत्र में वन हैं। इन वनों में 15,49 वर्ग किमी अति संघन, 7212 वर्ग किमी सामान्य सघन और 7212 वर्ग किमी खुले वन है। वनों को ह्रास इन्हीं पहाड़ी जिलों में हो रहा है। वायनाड का नवीनतम् भूस्खलन केरल की कोई नयी त्रासदी नहीं है। यहां भूस्खलनों के लिए प्राकृतिक कारण तो अवश्य हैं मगर इसके लिए मानवीय कारण कम जिम्मेदार नहीं हैं। राज्य में सन् 2001 में कोट्टायम जिले में भी एक बड़े भूस्खलन में कई लोग मारे गए और व्यापक क्षति हुई थी। मानसून के मौसम में, इडुक्की जिले और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण जान-माल का नुकसान के उदाहरण मौजूद हैं। सन् 2018 की बाढ़ के साथ राज्य भर में कई भूस्खलन हुए। उस समय खासकर इडुक्की, वायनाड और मलप्पुरम के पहाड़ी जिलों में भारी नुकसान हुआ था। इसी तरह 2019 में भी विभिन्न जिलों में भीषण भूस्खलन हुआ। उस समय वायनाड में पुथुमाला और मलप्पुरम में कवलप्पारा जैसे इलाके गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। अगस्त 2020 में इडुक्की जिले के पेट्टीमुडी इलाके में एक भयावह भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम 66 लोग मारे गए। समुद्र का पड़ोस अतिवृष्टि का कारण केरल में मानसून के मौसम में भारी और तीव्र वर्षा होती है जिससे मिट्टी की धारण क्षमता कमजोर होने से भूस्खलन होता है। कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) में वायुमंडलीय रडार अनुसंधान केन्द्र के एक अध्ययन के अनुसार अरब सागर के गर्म होने से घने बादल तंत्र बन रहे हैं, जिससे केरल में कम समय में ही अत्यधिक भारी वर्षा हो रही है और भूस्खलन की संभावना बढ़ रही है। अध्ययन में कहा गया है कि वर्षा की तीव्रता में वृद्धि मानसून के मौसम में पूर्वी केरल में पश्चिमी घाट के उच्च से मध्य-भूमि ढलानों में भूस्खलन की संभावनाएं बढ़ रही हैं। वनों को कृषि और शहरी क्षेत्रों में बदलने से मिट्टी को स्थिर करने में मदद करने वाला प्राकृतिक वनस्पति आवरण कम हो रहा है। केरल के पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर जनसंख्या का केन्द्रीकरण, तेजी से शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास होने से प्राकृतिक भूभाग और जल निकासी पैटर्न को बिगड़ रहा है, जिससे भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय गतिविधियों या प्राकृतिक घटनाओं के कारण प्राकृतिक जल निकासी पैटर्न में परिवर्तन से जल संचय और छिद्रों में पानी का दबाव बढ़ रहा है, जिससे ढलान अस्थिर हो रहे हैं।

इस शहर में हर शख्स परेशान-सा क्यों है

भारी बारिश के कारण बाढ़ आती है, लेकिन खराब जल निकासी, उच्च स्तर पर गाद, नदियों एवं अन्य जल निकायों के क्षेत्र में अतिक्रमण, तटीय शहरों में आर्द्रभूमि के विनाश और जंगलों की कटाई के कारण यह आपदा में तब्दील हो जाती है। देश के शहरों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी वाली एक

नई नीति की जरूरत है। हर मानसून मुंबई के लोगों को 26 जुलाई, 2005 की याद दिलाता है, जिस दिन भयंकर मानवीय भूलों और प्रकृति ने मिलकर भारी तबाही मचाई थी। उस आपदा में लगभग एक हजार लोगों की मौत हुई थी, घरों एवं आजीविकाओं का?भारी?नुकसान हुआ? और अकथनीय दुखों के निशान शेष रह गए थे। उस आपदा ने भारत के शहरीकरण की तमाम गलतियों को उजागर कर दिया-योजना से लेकर कार्यान्वयन तक, अधिकार से लेकर जवाबदेही तक और खर्च से लेकर परिणाम तक। लगभग दो दशक बाद पिछले हफ्ते एक बार फिर मुंबई ने खुद को संकट में पाया। वर्ष 2005 में 900 मिलीमीटर वर्षा होने पर मुंबई में तबाही आई थी, इस वर्ष उस बारिश की मात्रा के बमुश्किल एक तिहाई हिस्से ने ही शहर को ठप कर दिया। पुणे में, जिसे कभी 'स्मार्ट सिटी' का खिताब मिला था और आज भी कई स्टार्ट-अप का केंद्र है, लोगों को बचाने के लिए सेना की दो टुकडि़यां बुलानी पड़ीं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई हिस्से पानी में डूबे हुए हैं, जो व्यवस्थागत सुस्ती का प्रमाण है। बारिश जनित बाढ़ ने आईएएस की तैयारी कर रहे तीन युवाओं की जान ले ली, क्योंकि बेसमेंट में संचालित हो रही लाइब्रेरी में पानी भर गया था। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का खेल नौकरशाही और निर्वाचित सरकारों की जिम्मेदारी से बचने और लापरवाह रवैये का ही उदाहरण है। ऐसा नहीं है कि बाढ़ के कारणों का अध्ययन नहीं किया गया है या सुझावों का पालन नहीं किया गया है।

चरमराती शिक्षा व्यवस्था के बीच आशंकाओं से घिरा देश का भविष्य

महानायक अमिताभ बच्चन की फिल्म ठबदलाठ का एक लोकप्रिय डॉयलाग है कि सच वही है जिसे आप साबित कर सकते हैं। नीट पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना निणर्य सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने 22 जुलाई को पांचवी सुनवाई में ये आदेश दिया कि नीट की परीक्षा दोबारा नहीं होगी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस मनोज

मिश्रा और जस्टिस जे बी पादरीवाला की बेंच ने यह निर्णय सुनाया है। परीक्षा में बड़े स्तर पर धांधली होने के पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं। आपको बता दें सीबीआई की जांच में ये पता चला है कि पटना और हजारीबाग में पेपर लीक हुआ है और इस धांधली में अब तक 155 छात्रों को फायदा पहुंचाने की पुष्टि की गई है। खैर, इस पूरे मामले में देखा जाए तो विवाद सिर्फ पेपर लीक होने तक का ही नहीं है बल्कि कुछ सेंटर पर पेपर लेट मिलना, नीट परीक्षा में पहली बार ग्रेस नंबर देना, परीक्षा में एक प्रश्न का गलत उत्तर जांचना, तय समय से पहले परीक्षा परिणाम को घोषित करना, आदि।बहरहाल, नीट परीक्षा की नियति तय हो चुकी है और इस

पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही अपना फैसला सुना चुकी है। नीट का फाइनल रिजल्ट घोषित हो चुका है। देशभर में काउंसलिंग की तैयारी चल रही है, जिनके नंबर कटऑफ से अधिक हैं, उनके लिए यह उत्साह का विषय है लेकिन जिनके नंबर कटऑफ से थोड़े बहुत कम हैं उनके पास सिस्टम और किस्मत को कोसने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। सीबीआई की जांच और आगे

बढ़ी है जिसमें ये खुलासा हुआ है कि पेपर कितने में बेचे गए थे। ण्ँघ् की रिपोर्ट के मुताबिक बिहार के छात्रों को नीट का पेपर 35 से 40 लाख रुपये में बेचा गया है। वहीं बाहरी छात्रों को 55 से 60 लाख रुपये में बेचा गया है।बहरहाल, नीट परीक्षा की नियति तय हो चुकी है और इस पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही अपना फैसला सुना चुकी है। नीट का फाइनल रिजल्ट घोषित हो चुका है। देशभर में काउंसलिंग की तैयारी चल रही है, जिनके नंबर कटऑफ से अधिक हैं, उनके लिए यह उत्साह का विषय है लेकिन जिनके नंबर कटऑफ से थोड़े बहुत कम हैं उनके पास सिस्टम और किस्मत को कोसने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। सीबीआई की जांच और आगे

बढ़ी है जिसमें ये खुलासा हुआ है कि पेपर कितने में बेचे गए थे। ण्ँघ् की रिपोर्ट के मुताबिक बिहार के छात्रों को नीट का पेपर 35 से 40 लाख रुपये में बेचा गया है। वहीं बाहरी छात्रों को 55 से 60 लाख रुपये में बेचा गया है।सोचकर देखिए कि पिछले दो महीने में पांच परीक्षाएं होनी थी जिनमें से तीन पर सीधे तौर पर पेपर लीक के आशंका जताई गई है। हालांकि, अच्छी खबर ये है कि इनमें से सभी को निर्धारित तिथि के एक से दो दिन पहले आकस्मिक नोटिस जारी करके इस स्थगित किया गया है। पिछले कई दशकों में ऐसा पहली बार हुआ है कि एक ही टाइमलाइन में इतनी परीक्षाएं एक साथ टली हों। वर्तमान में यूजीसी-नेट की परीक्षा 25 और 27 जुलाई के बीच आयोजित की गई, जिसमें कई सेंटर पर नकल करते विद्यार्थियों के विडियो लीक हुए हैं, जिसकी वजह से यूजीसी-नेट नीटकी परीक्षा भी सुर्खियों में चल रहा है।ऐसे में ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि वर्तमान में प्रतियोगी परीक्षाओं विश्वसनीयता कैसी बच गई है। परीक्षा में बड़े स्तर पर धांधली होने के पुख्ता सबूत नहीं मिले हैंठ। जाहिर है इससे

एक बात तो स्पष्ट है कि धांधली बड़े स्तर पर तो नहीं लेकिन छोटे स्तर पर जरूर हुई है। और वैसे भी अभी की जांच जारी है जिसमें हर दिन कुछ न कुछ चौंका देने वाले खुलासे हो रहे हैं। हालांकि कई विद्यार्थियों ने इस पर रिव्यू पिटिशन डाला है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अब बड़ा सवाल ये है कि क्या सच में नीट की परीक्षा दोबारा नहीं हो सकती थी आइए इसका जवाब ढूंढते हैं। सबसे पहली बात, जिस देश में चुनाव में 100 करोड़ से अधिक लोगों का निष्पक्ष तरीके से वोटिंग कराया जाता है, क्या उस देश में ईमानदारी से 23 लाख बच्चों का परीक्षा नहीं कराया जा सकता है। दूसरी बात इन 23 लाख बच्चों से 1200 से 1700 रुपये की फॉर्म फीस ली जाती है। अगर औसत 1300 रुपये की फॉर्म फीस मानें तो 23 लाख बच्चों से एनटीए लगभग 400 करोड़ रुपये प्राप्त किया है। आज जिस समय देश में हर 3 में 2 परीक्षाओं पर पेपर लीक के आरोप हैं, वहां नीट की परीक्षा को दोबारा कराकर परीक्षा की साख नहीं बचाया जा सकता था बहरहाल आज देश में शिक्षा व्यवस्था

की हालत ये हो गई है कि विद्यार्थियों को किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के निष्पक्षता पर यकीन ना के बराबर रह गया है। इन सब के बाद देश का एक तबका ऐसा भी है जो ये मानता है कि विद्याथिर्यों ने फालतू में कोर्ट का समय बर्बाद किया है। सीएसआईआर नेट यूजीसी नेट , एनसीईटा, एनईईटी पीजी सिर्फ इसलिए टालना पड़ा क्योंकि इन परीक्षाओं को होने से पहले इनके पेपर लीक होने की आशंका थी। ऐसे में इन परीक्षा को कंडक्ट कराने वाले बॉडी को अंदाजा था कि अगर ये परीक्षा हो गई और पेपर लीक का मामला सामने आया तो मामला और गंभीर हो सकता है, इसलिए इन परीक्षाओं को टालना पड़ा। अब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि नीट परीक्षा में बच्चों का कोर्ट पहुंचना कितना फायदेमंद रहा है। अब जरा कल्पना करिए कि बच्चों ने अगर नीट परीक्षा में कोर्ट में पीआईएल नहीं डाला होता तो क्या एक ही टाइमलाइन में इतने परीक्षाओं को टाला गया होता यहां पर एक सवाल और उठता है कि क्या हमारे देश में जो प्रतियोगी परीक्षाएं होती हैं वो निष्पक्ष होती हैं री नीट

न होने से मानसिक दुष्प्रभाव नीट एक ऐसी परीक्षा है जिसमें अधिकतम उम्र की कोई भी सीमा नहीं है। इस परीक्षा में किसी भी उम्र के लोग हिस्सा ले सकते हैं। यही कारण है कि नीट के परिणाम घोषित होने के बाद ऐसे कई उदाहरण सामने आते हैं जिसमें 7 साल 8 साल तक तैयारी करने वाले अभ्यर्थी भी क्वालीफाई करते हैं। नीट की परीक्षा में बैठने वाले ज्यादातर विद्यार्थियों का ऍंप में दाखिला लेने का सपना होता है। जनरल कैटेगरी के लिए हर साल का औसतन कट ऑफ लगभग 600 नंबर होता है, लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस बार अनुमान है कि यह कट ऑफ 650 से भी अधिक जाने वाला है। यह अपने आप में बहुत गंभीर बात है कि सिर्फ एक ही साल में कट ऑफ 50 नंबर का छलांग लगा लेगा। ऐसे में परीक्षा में बैठे हुए मेहनती विद्यार्थियों के लिए यह किसी ट्रॉमा से कम नहीं है। यह मानसिक दबाव बहुत से बच्चों के लिए एंजाइटी और डिप्रेशन का कारण बन रहा है। जिन छात्रों के अंक 600 से 650 के बीच हैं, उन्हें अच्छे कॉलेज मिलने की संभावना कम हो गई है। पिछले साल तक इन अंकों पर देश के टॉप कॉलेज मिल जाते थे। जिसकी वजह से कई छात्रों को अगले साल ऍंि देना पड़ेगा, क्योंकि इस साल उन्हें अच्छे कॉलेज नहीं मिल पा रहे हैं। जिन छात्रों ने कई सालों से ऍंि की मेहनत से तैयारी की है और उन्हें इस बार भी सफलता नहीं मिली है, वे मानसिक रूप से टूट सकते हैं। खासकर उन छात्रों के लिए, जिन्होंने कई बार ड्रॉप लेकर तैयारी की है, यह एक बड़ा झटका होगा। इन सभी घटनाक्रम के बाद छात्रों और उनके अभिभावकों का परीक्षा प्रणाली और पर विश्वास कम हो गया है। आखिर क्या सबक मिलता है नीट का मामला इस बात का बहुत बड़ा उदाहरण है कि शिक्षा व्यवस्था किस स्तर पर चरमराई हुई है। नीट की परीक्षा राष्ट्रीय स्तर होती है, यदि इतने ऊँचे स्तर पर इस तरह की चीजें सामने आ रही हैं तो राज्य या निचले स्तर पर क्या स्थिति होगी। बड़ी बात यह है कि इस बार जब मामला इतना तूल पकड़ा है तब जाकर इतनी चीजें सामने आई हैं, अब तक नजानें कितने ऐसे अभ्यर्थी होंगे जिनका भविष्य जानें-अनजाने सिस्टम की भेंट चढ़ गया होगा। ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि ठहमारे देश की शिक्षा व्यवस्था सिर्फ डिग्री देने मात्र की संस्था रह गई हैठ। इसलिए एक सवाल ये भी उठता है कि शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने के बाद क्या सच में लोग शिक्षा से सीख रहे है या सिर्फ शिक्षित लोगों की जनगणना की संख्या का हिस्सा मात्र हैं, सरकारें जिस स्किल इंडिया के सपने दिखा रही है उसे साकार करने के लिए कितनी सक्षम होगी वर्तमान शिक्षा व्यवस्था, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नया अंतरजातीय संघर्ष शुरू होगा

आजादी के बाद 70 सालों से सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की लाभार्थी जातियों के भीतर से आवाज उठने लगी थी कि आरक्षण का फायदा भी समान रूप से सभी जातियों को नहीं मिल रहा है। लिहाजा इस लाभ का वितरण नए और न्यायसंगत तरीके किया जाए। देश में एससी/ एसटी (अनुसूचित जाति/ जनजाति) वर्ग में भी उप श्रेणी यानी कोटे में कोटा को मंजूरी और इन दोनो आरक्षित श्रेणियों में भी ओबीसी की तर्ज पर क्रीमी लेयर तय करने के सुप्रीम को 6:1 के बहुमत से दिए फैसले के दूरगामी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिणाम होंगे। हालांकि कुछ लोगों ने इसे संविधान की मूल भावना के खिलाफ बताया है, लेकिन ज्यादातर हल्को में इस फैसले का स्वागत हुआ है, क्योंकि देश में आरक्षण की जो कहानी 1882 में विलियम हंटर और ज्योतिबा फुले ने शुरू की थी, करीब डेढ़ सौ साल बाद इसमें एक नया और निर्णायक मोड़ आ गया है। आजादी के बाद 70 सालों से सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की लाभार्थी जातियों के भीतर से आवाज उठने लगी थी कि आरक्षण का फायदा भी समान रूप से सभी जातियों को नहीं मिल रहा है। लिहाजा इस लाभ का वितरण नए और न्यायसंगत तरीके किया जाए।दूसरे शब्दों में कहें तो आरक्षण का लाभ उठाकर आर्थिक व सामाजिक बेहतरी हासिल करने वाला एक नए किस्म का 'ब्राह्मणवाद' इन जाति वर्गों में भी आकार लेने लगा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सामाजिक न्याय के इसी आलोक में देखा जाना चाहिए, क्योंकि आरक्षित वर्ग के भीतर ही हितों के इस टकराव को लंबे समय तक अनदेखा नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के निणर्य के बाद राज्य अपने यहां आरक्षित श्रेणियों में अधिक लाभान्वित और कम लाभान्वित जातियों का वर्गीकरण कर सकेंगे। हालांकि यह काम बहुत सावधानी और पारदर्शिता से करना होगा। इसके लिए सही आंकड़े जुटाने होंगे। केवल वोटों की गोलबंदी के बजाए आरक्षण के समान वितरण की समुचित प्रक्रिया अपनानी होगी। इस फैसले का विरोध जिन हल्कों से हो रहा है अथवा होगा, वे मुख्यतः वो जातियां हैं, जिन्हें आरक्षण का तुलनात्मक रूप से ज्यादा लाभ मिला है। कई जगह तो यह अब पीढ़ीगत रूप में भी बदल गया है। दरअसल 'ब्राह्मणवाद' का सबसे बड़ा दोष भी उसका जन्मगत् होना ही है। पीढ़ी दर पीढ़ी आरक्षण ने भी इसी प्रवृत्ति को आरक्षित वर्ग में पनपाया है। आरक्षण

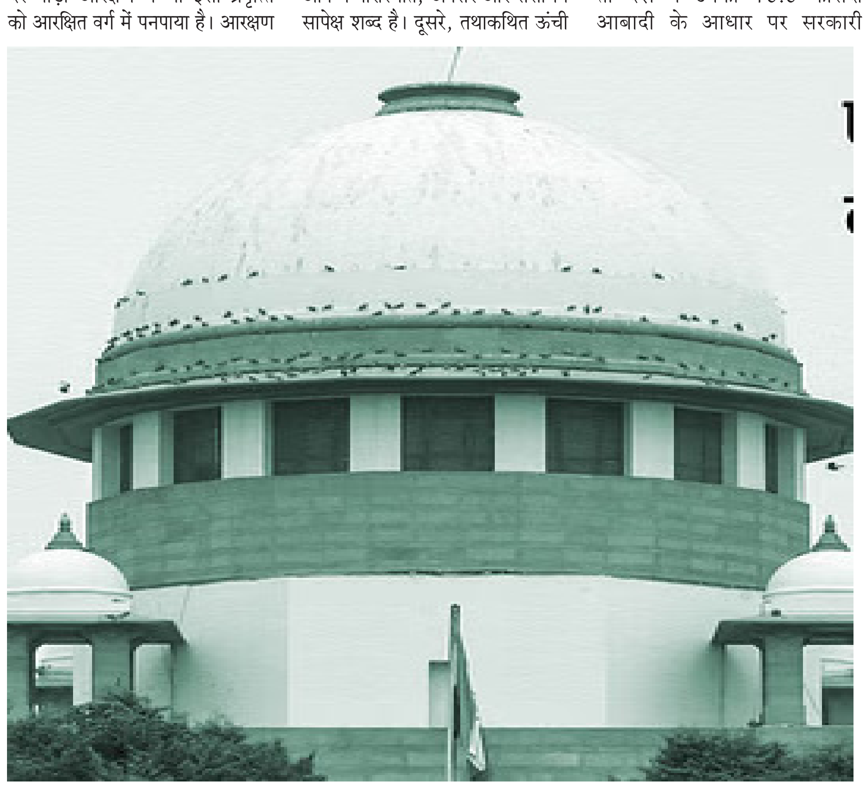

की सुविधा 'जन्मसिद्ध अधिकार' में बदलने लगी है। हालांकि, इस मान्यता के विरोधी यह कमजोर तर्क जरूर देते हैं कि पैसे और पद भर से वो सामाजिक प्रतिष्ठा और समानता नहीं मिलती, जिसकी कि दलित और आदिवासियों को पहली दरकार है। मन से सामाजिक समता को स्वीकार करना और उसका आदर करना एक लंबी और दीर्घकालीन प्रक्रिया का हिस्सा है, जो जातिवाद की जो बुराई सैंकड़ों सालों में हिंदू समाज में गहरे तक घर कर गई है, उसका उच्चाटन होने में समय लगेगा। उसके लिए कानून के साथ-साथ मानसिकता बदलने की जरूरत है। धीरे- धीरे वह बदल भी रही है। लेकिन एक जातिविहीन अथवा समतामूलक समाज 'काल्पनिक आदर्श' स्थिति ज्यादा है। इस बात का कोई ठोस पैमाना नहीं है कि वह कौन सी स्थिति होगी जिसे सौ फीसदी समता कहा जाएगा। क्योंकि सामाजिक समता के कई कारक है और समता अपने आप में परिस्थिति, अवसर और संसाधन सापेक्ष शब्द है। दूसरे, तथाकथित ऊंची और नीची जातियों के बरक्स खुद आरक्षित जातियों के भीतर भी आंतरजातीय भेदभाव और छुआछूत कम नहीं है। इसे खत्म करना भी उतना ही जरूरी है। आरक्षित जातियों में अवसरों का समान वितरण कैसे हो, इसके राजनीतिक रूप से प्रयास तो पहले से ही शुरू हो गए थे। मसलन दलितों में अति दलित अथवा महादलित, पिछड़ों में अति पिछड़ों को श्रेणियों में बांटकर उन्हें आरक्षण के लाभ देने की कोशिशें कुछ राज्यों ने पहले से शुरू कर दी थीं। लेकिन इसे सामाजिक न्याय के बजाए वोटों की गोलबंदी की पुनर्रचना के प्रयत्न के रूप में ज्यादा देखा गया। खासकर नीतीश कुमार ने बिहार में इसकी पहल तेजी की थी। दुर्भाग्य से यह सच्चाई है कि आप किसी को कितना भी आरक्षण दें, लेकिन उसके वास्तविक लाभार्थी कुछ लोग अथवा जातियां ही होती हैं। अगर दलित या अनुसूचित जाति की ही बात करें तो देश में उनकी 16.6 फीसदी आबादी के आधार पर सरकारी नौकरियों में व शिक्षण संस्थानों में मोटे तौर पर 15 प्रतिशत और आदिवासियों को 8.6 प्रतिशत आबादी के हिसाब से 7.5 फीसदी आरक्षण दिया गया है। अनुसूचित जाति वर्ग में यह आरक्षण कुल 1108 जातियों में बंटना होता है, लेकिन व्यवहार में वैसा होता नहीं है, क्योंकि सभी की सामाजिक आर्थिक परिस्थिति व चेतना अलग- अलग है। यही कारण है कि जिन आरक्षित जातियों में अपने हितों और स्वाभिमान को लेकर ज्यादा चेतना है, वो आरक्षण का लाभ उतना ही ज्यादा उठा पाते हैं। मोटे पर एससी श्रेणी में आरक्षण का फायदा करीब एक दर्जन जातियों ने ज्यादा उठाया है, जैसी कि जाटव, महार, मेहरा और अहिरवार आदि। लेकिन उन्हीं की एक हजार से आरक्षित बंधु जातियां इस मामले में बहुत पीछे छूट गई हैं। अगर इस श्रेणी में सब कोटा होगा तो आरक्षण सुविधा का लाभ ज्यादा बेहतर और न्यायसंगत तरीके से वितरित हो सकता है। यही बात अनुसूचित जनजाति (आदिवासी) वर्ग के लिए भी लागू होती है। वहां भी 744 जनजातियां हैं, लेकिन रिजर्वेशन का लाभ मुख्य रूप से गोंड, भील, संथाल आदि आदिवासियों ने ही उठाया है। इसका एक प्रमुख कारण शिक्षा और जागरूकता का अभाव भी है। काफी कुछ यही स्थिति अति पिछड़ा वर्ग में भी हैं, जहां 5013 जातियां हैं, लेकिन लाभान्वित होने वाली प्रमुख जातियां यादव, कुणबी, कुर्मी, कलार, सोनी आदि ही हैं। हालांकि ओबीसी में सुप्रीम कोर्ट ने क्रीमी लेयर की शर्त लगा रखी है। जिसके मुताबिक वर्तमान में 8 लाख रू. वार्षिक आय से ज्यादा वाले परिवार ओबीसी आरक्षण का लाभ नहीं ले सकते। जस्टिस रोहिणी आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में ओबीसी में सब कोटा बनाने की सिफारिश की है, जिस पर सरकार अभी खामोश है। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले में जिन चार जजो ने क्रीमी लेयर की शर्त को एससी/ एसटी में भी लागू करने का सुझाव दिया है, उनमें जस्टिस बी. आर. गवई भी शामिल हैं। इसके पीछे भाव यह है कि जिन लोगों को आरक्षण की वजह आर्थिक सामाजिक उत्थान हो जाए, वो आरक्षित सीट अपने दूसरे समाज व जाति बंधुओंके लिए खाली करें। खास बात यह है कि जस्टिस गवई स्वयं अनुसूचित जाति से हैं और योग्यता के आधार पर सुप्रीम कोर्ट के जज बने हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में बाबा साहब अंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि यह संविधान की मूल भावना के विपरीत है, क्योंकि आरक्षण जातीय समानता के मूल भाव से दिया गया था न कि आरक्षित जातीयों में भी वर्गीकरण करने के उद्देश्य से। प्रकाश अंबेडकर ने यह भी कहा कि अगर सब कोटा बनाना ही है तो अनारक्षित (अगड़ी) जातियों में भी इसे लागू किया जाना चाहिए। लेकिन वो यह भूल गए कि मोदी सरकार ने अनारक्षित जातियों के लिए आर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर शेष बचे 50 फीसदी में से 10 प्रतिशत आरक्षण दे दिया है। यह भी सब कोटा ही है। यहां अनारक्षित और आरक्षित जातियों में अवसरों और प्रगति का बड़ा अंतर इसलिए दिखता है, क्योंकि अनारक्षित श्रेणी में जातियों की संख्या न्यूनतम यानी 46 ही हैं, जिसमे अल्पसंख्यक आबादी (ओबीसी को छोड़कर) भी शामिल है। अनारक्षित 50 फीसदी का लाभ इन्हीं में वितरित होता है। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि आरक्षित जातियो में से कोई भी अपना वर्ग छोड़कर इन अनारक्षित जातियों में शामिल नहीं होना चाहता। जबकि यहां अवसरों का वितरण बहुत कम जातियों में होता है। उल्टे जो जातियां अभी अनारक्षित हैं, वो भी आरक्षित में जाने के लिए लड़ रही है, जैसे कि महाराष्ट्र में मराठा जाति। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अमल होने में वक्त लगेगा। क्योंकि इसके लिए जरूरी डाटा इकट्ठा करना होगा। हो सकता है कि सरकार अगले साल होने वाली जनगणना में इसे भी शामिल कर ले। लेकिन उसके भी पहले नई राजनीतिक गोलबंदियां तेज होंगीं। एससी/ एसटी में आरक्षण का ज्यादा लाभ उठाने वाली जातियां इस फैसले का विरोध करेंगी तो अल्प लाभ पाने वाली जातियां इसके समर्थन में जुटेंगी। यानी आरक्षित वर्गो में एक नया संघर्ष शुरू होने की संभावना है, जो सामाजिक न्याय और अवसरो की समानता की कोख से ही पैदा होगा। जाहिर है कि राजनीतिक दल इसका अपने ढंग से लाभ उठाएंगे। इस साल के अंत में महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों में यह बड़ा मुद्दा बन सकता है। हालांकि सरकार इस फैसले पर कैसे अमल करती है, करना चाहती भी है या नहीं, यह भी जल्द स्पष्ट होगा। बहरहाल देश सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई के एक नए दौर में प्रवेश करने वाला है, यह निर्विवाद है।

स्पोर्ट्स

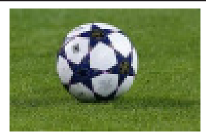
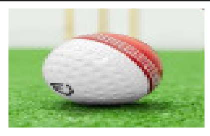

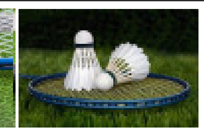

महेंद्र सिंह धोनी की जोगिंदर शर्मा से खास मुलाकात, सालों बाद मिले दो जिगरी यार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत ने साल 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पहली बार टी20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम की ये जीत ऐतिहासिक थी। फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को मात दी थी। इस जीत के एक हीरो रहे थे तेज गेंदबाज जोगिंदर शर्मा। धोनी ने हाल ही में जोगिंदर से मुलाकात की है। जोगिंदर ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए फाइनल मैच में आखिरी ओवर फेंका था और 13 रनों का बचाव किया था। जोगिंदर का करियर हालांकि ज्यादा लंबा चला नहीं और वह जल्द ही टीम से बाहर हो गए। इस समय जोगिंदर हरियाणा पुलिस के साथ डीएसपी हैं।एमएस धोनी की कप्तानी में भारत ने पहला टी20 वर्ल्ड कप जीता था। ये वर्ल्ड कप भारत ने साल 2007 में अपने नाम किया था। भारत ने पाकिस्तान को फाइनल में मात दे ये खिताब जीता था। इस मैच का फाइनल ओवर जोगिंदर शर्मा ने फेंका था। इन्हीं जोगिंदर से धोनी ने लंबे समय बाद मुलाकात की है। इन दोनों की फोटो इस समय वायरल हो रही है। इस समय धोनी और जोगिंदर की फोटो वायरल हो रही है। इस फोटो में जोगिंदर वर्दी पहने हुए हैं और धोनी अपने नए लुक में हैं। फोटोज में दोनों हाथ मिलाते और बात करते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस फोटो ने धूम मचा दी है और यूजर्स जमकर दोनों की तारीफ कर रहे हैं। ये फोटो जोगिंदर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाई हैं और लिखा है, ठकाफी लंबे समय बाद तुमसे मिलकर अच्छा लगा माही।जोगिंदर टीम इंडिया के अलावा धोनी की कप्तानी में आईपीएल में उनकी टीम चेनन्ई सुपर किंग्स में भी खेले। वह दो सीजन तक इस टीम के लिए खेले। जोगिंदर का करियर देखा जाए तो उन्होंने भारत के लिए चार वनडे और इतने ही टी20 मैच खेले। टी20 में जोगिंदर ने चार विकेट अपने नाम किए। वहीं वनडे में उन्होंने एक विकेट लिया। जोगिंदर ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच 24 जनवरी टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल ही खेला था। इसके बाद वह टीम में लौटकर नहीं आए। फर्स्ट क्लास में उन्होंने कुल 77 मैच खेले और 297 विकेट अपने नाम किए। लिस्ट-ए में उन्होंने 115 विकेट चटकाए हैं।

विराट कोहली से जब मिलते हैं एमएस धोनी तो क्या होती है बात माही ने खुद बताया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पूर्व भारतीय वर्ल्ड कप विजेता कप्तान एमएस धोनी ने स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के साथ अपने संबंधों के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान धोनी ने विराट के साथ अपने यादगार पल और साझेदारियों के बारे में भी खुलासा किया। पिछले दिनों एमएस धोनी हैदराबाद में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान धोनी ने विराट के साथ अपने रिश्ते को लेकर कई खुलासे किए। धोनी ने कहा कि वह जब भी कोहली से मिलते हैं तो अकेले में जाकर बात करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विराट के साथ खेलना मजेदार रहा है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी और विराट कोहली जब भी मिलते हैं दोनों के बीच बेहतरीन बॉन्डिंग देखने को मिलती है। कोहली ने कई बार इस बॉन्डिंग के बारे में बात भी की है। अब माही ने विराट के साथ रिलेशनशिप पर खुलकर बात की है। धोनी ने कहा कि कोहली के साथ खेलना शानदार रहा। यही नहीं धोनी ने विराट कोहली को महान खिलाड़ी बताया। माही ने कहा, हम बहुत लंबे समय तक भारत के लिए खेले। जब बात वर्ल्ड क्रिकेट की आती है तो कोहली महान खिलाडि़यों में से एक हैं। बीच के ओवरों में उनके साथ बहुत अधिक बल्लेबाजी करने मजेदार रहा। क्योंकि हम मैच में बहुत ज्यादा दो और तीन रन लेते थे। इसलिए यह हमेशा मजेदार रहा। धोनी ने आगे कहा, हम बहुत कम मिलते हैं, लेकिन जब भी हमें मिलने का मौका मिलता है, हम सबसे अलग थोड़ी देर एक कोने में जाकर बात कर सकें। हम इस बारे में बात करते हैं क्या चल रहा है। इसलिए हमारा रिश्ता ऐसा है।बता दें कि वर्तमान समय में विराट कोहली भारतीय टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर हैं। वह वनडे टीम का हिस्सा है। वहीं, धोनी ने आईपीएल 2024 में हिस्सा लिया था। फिलहाल उनके आईपीएल 2025 में खेलने को लेकर बहस छिड़ी हुई है।

पाकिस्तान ने एक बार फिर हरभजन सिंह को उकसाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान को सौंपी गई है। टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। सुरक्षा कारणों के चलते भारत सरकार ने अब तक भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी है। ऐसे में ने आईसीसी से हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट का आयोजन कराने की मांग की है। इस बीच पाकिस्तानी नागरिक सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालते रहते हैं। सोशल मीडिया पर एक पाकिस्तानी नागरिक फरीद खान हरभजन सिंह से उलझ गया। फिर क्या था, भज्जी ने अपने जवाब से उसकी बोलती बंद कर दी।फरीद खान ने सोशल मीडिया पर हरभजन सिंह को ट्रोल करने की कोशिश की। उसने 2 तस्वीरें शेयर कीं। इनमें शाहिद अफरीदी और हरभजन सिंह नजर आ रहे हैं। तस्वीर में साफ दिख रहा है कि एक मैच के दौरान शाहिद अफरीदी ने हरभजन सिंह की 4 गेंदों पर 4 छक्के जड़ दिए थे। इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा गया है, 'हाय हरभजन सिंह यही कारण है कि आपको पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधी समस्याएं हैं, है ना।'इस पोस्ट का भज्जी ने मुंह तोड़ जवाब दिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने रिप्लाई में फरीद खान को 2009 का वह काला दिन याद दिला दिया, जब श्रीलंका किकेट टीम पर पाकिस्तान के लाहौर में आतंकी हमला हुआ था। क्रिकेट जगत में इसे काला दिन कहा गया। इस हमले के बाद कई सालों तक किसी भी टीम ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया था। भज्जी ने हेराल्ड सन मैगजिन का एक पेज शेयर किया, जिस पर 'क्रिकेट का सबसे काला दिन' हैडलाइन थी। कैप्शन में हरभजन सिंह ने लिखा, 'नहीं इसके लिए नहीं। क्रिकेट में जीत हार लगी रहती है। मैं तुम्हें बताऊंगा कि असली समस्या यह है। इस फोटो को चेक करें। नाओ गेट द इष्ठ। इ का मतलब समझ गए होगे या समझाऊं इ का मतलब है आपका नाम। कृपया वह न सोचें जो आप इ का मतलब समझ रहे हैं। आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है।

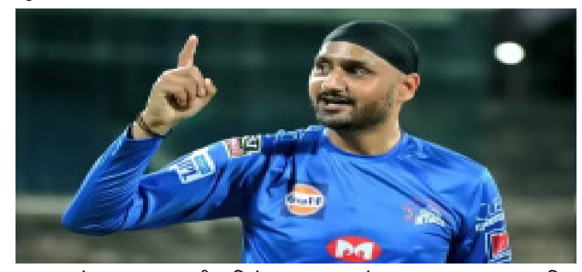

एक रन बचा हो और ना जीत पाओ तो बुरा लगता है,' मैच टाई होने के बाद रोहित शर्मा का फूटा गुस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।भारत और श्रीलंका के बीच पहला वनडे मैच टाई रहा। भारत को आखिरी में 15 गेंद पर मात्र एक रन बनाने थे और उसके पास दो विकेट शेष बचे थे। पहले सेट बल्लेबाज शिवम दुबे आउट उसके बाद अर्शदीप सिंह अगली ही गेंद पर आउट हो गए। मैच टाई होने के बाद रोहित शर्मा ने भी नाराजगी जाहिर की। रोहित ने कहा एक रन से पीछे रह जाना अच्छा नहीं लगता है भारतीय टीम इस मैच में बनी हुई थी। पिच मैच के आगे बढ़ने के साथ धीमी होती जा रही थी। ऐसे में केएल राहुल और अक्षर पटेल ने टीम को मुश्किल से उबारा तो शिवम दुबे टीम को जीत की दहलीज तक ले आए थे। स्कोर बराबर हुआ तो असलंका ने दो गेंद में दो एलबीडब्ल्यू करके मैच की कहानी पूरी तरह से पलट दी। मैच के बाद रोहित शर्मा ने कहा, लक्ष्य हासिल किया सकता था, लेकिन हमने हिस्सों में अच्छा प्रदर्शन किया। हमने शुरुआत अच्छी की फिर विकेट गिरे, लेकिन बाद में केएल राहुल और अक्षर पटेल ने साझेदारी करके हमें मैच में वापस लेकर आए, लेकिन 14 गेंद में एक रन बचा हो और ना जीत पाओ तो अच्छा नहीं लगता है। यह ऐसी पिच नहीं थी कि जहां पर आते ही शॉट लगाने लगो। गेम दोनों तरफ जा रहा था, मुझे लगा कि हमने अच्छा किया, लेकिन फिर भी हम एक रन से पीछे रह गए। गौरतलब हो कि भारतीय टीम इस मैच में बनी हुई थी। पिच, मैच के आगे बढ़ने के साथ धीमी होती जा रही थी। ऐसे में केएल राहुल और अक्षर पटेल ने टीम को मुश्किल से उबारा तो शिवम दुबे टीम को जीत की दहलीज तक ले आए थे। स्कोर बराबर हुआ तो असलंका ने दो गेंद में दो एलबीडब्ल्यू करके मैच की कहानी पूरी तरह से पलट दी। बता दें कि श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। निसांका के 56 रन और वेल्लालागे के नाबाद 67 रन की मदद से 230 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 47.5 ओवर में 230 रन बनाकर सिमट गया। रोहित ने अर्धशतकीय पारी खेली।

यह क्या हो गया 14 गेंद पर एक रन नहीं बना पाई टीम इंडिया; पहला वनडे मैच टाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच पहले वनडे मैच टाई रहा। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 230 के स्कोर पर रोक दिया था। लक्ष्य टाई करा दिया। मैच में श्रीलंका की तरफ से वानिंदु हसरंगा और असलंका ने तीन-तीन विकेट चटकाए। भारत की तरफ से सिर्फ रोहित शर्मा बड़ी पारी खेल सके।समरविक्रमा ने 8 रन का योगदान दिया। एक समय श्रीलंका का स्कोर 101 रन पर पांच विकेट हो गया था। पथुम निसांका ने 56 रन की जुझारू पारी खेली। अंत में डुनिथ वेल्लालागे ने अपने हाथ खोले और 65 गेंद पर नाबाद 67 रन की पारी खेल श्रीलंका टीम का स्कोर 200 के पार ले गए। हसरंगा ने 24 रन बनाए। भारत की तरफ से अर्शदीप और अक्षर ने दो-दो विकेट लिए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा ने तेज शुरुआत दी। गिल के साथ पहले विकेट लिए 75 रन की साझेदारी की। रोहित शर्मा 58 रन बनाकर आउट हुए। गिल ने 16 रन की पारी खेली। विराट कोहली के बल्ले से 24 रन निकले। बैटिंग ऑर्डर में प्रमोट किए गए सुंदर ने 5 रन का योगदान दिया।

का पीछा करते हुए भारतीय टीम 14 गेंद पर 1 रन नहीं बना पाई। भारत ने दो गेंद पर दो विकेट गंवाए। रोमांचक मैच में हसरंगा और असलंका ने तीन-तीन विकेट लेकर मेजबान टीम को मैच में बनाए रखा था। टॉस जीतकर श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों का पैर क्रीज पर टिकने नहीं दिया। अविष्का फर्नांडो मात्र 1 रन बनाकर आउट हुए। कुसल मेंडिस 14 रन बनाकर शिवम दुबे का शिकार बने। भारतीय गेंदबाजों ने नई गेंद से पूरा फायदा उठाया।भारत और श्रीलंका के बीच खेला गया पहला वनडे मैच टाई रहा। एक समय भारत को जीत के लिए मात्र 1 रन चाहिए थे और उसके दो विकेट बचे हुए थे। असलंका ने दो गेंद पर दो विकेट लेकर मैच

मैदान पर उतरे रोहित शर्मा श्रीलंकाई गेंदबाजों की लगाई क्लास; 1-2 नहीं बनाए इतने रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।भारत और श्रीलंका के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला शुक्रवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले से रोहित शर्मा की इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी हुई थी। रोहित आखिरी बार टी20 वल्ड कप 2024 में खेलते हुए नजर आए थे। ऐसे में वापसी के साथ ही रोहित शर्मा ने रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी। भारत और श्रीलंका के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला शुक्रवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले से रोहित शर्मा की इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी हुई थी। रोहित आखिरी बार टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खेलते हुए नजर आए थे। ऐसे में वापसी के साथ ही रोहित शर्मा ने रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी। रोहित ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर क्लास लगाई और 33 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया। भारतीय कप्तान ने 123.4 की स्ट्राइक रेट से 47 गेंदों पर 58 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके साथ ही रोहित के बतौर ओपनर 15 हजार रन पूरे हो गए। रोहित ने बतौर ओपनर 333 मैच की 352 पारियों में 46.56 की औसत से 15039 रन बनाए हैं। बतौर सलामी बल्लेबाज सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सनथ जयसूर्या के नाम है। उन्होंने 506 मैच की 563 पारियों में 19298 रन बनाए थे।रोहित दूसरे सबसे कम पारियों में बतौर सलामी बल्लेबाज 15 हजार रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। रोहित ने 352 पारियों में यह कारनामा किया है। इस लिस्ट में टॉप पर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने 331 पारियों में 1 हार रन बनाए थे। इतना ही नहीं रोहित के वनडे क्रिकेट में 1000 चौके भी पूरे हो गए हैं। रोहित वनडे में अब तक 1001 चौके लगा चुके हैं। वनडे में सबसे ज्यादा चौके सचिन तेंदुलकर ने लगाए (2016) हैं।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है

वृष-:आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। आज आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आज आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-:आज का दिन भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. आज अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें ̇ से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-:आज आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-:आज आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे. आज आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-:आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, आज वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-:आज भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से आज विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-:आज आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-:आज आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

मैं बूढ़ा हो गया हूं, अफोर्ड नहीं कर पाएंगे', कोचिंग को लेकर वीरेंद्र सहवाग का बेबाक जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने दिल्ली प्रीमियर लीग के उद्घाटन सीजन के कार्यक्रम में कहा कि वह अब बूढ़े हो गए हैं। वहीं, किसी फ्रेंचाइजी को कोच करने के सवाल पर कहा कि कोई उन्हें अफोर्ड नहीं कर पाएंगे। डीडीसीए ने शुक्रवार को दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सीजन के लिए ट्रॉफी अनावरण का किया। पहला सीजन 17 सितंबर से खेला जाएगा। लीग में कुल 40 मैच खेल जाएंगे। 33 मैच पुरुष टीम के बीच खेला जाएगा जबकि सात मैच महिला टीम के बीच खेला जाएगा। कुल छह टीमें लीग में हिस्सा लेंगी।दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन ने शुक्रवार को दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सीजन का उद्घाटन किया। एक कार्यक्रम में टीम और उनकी जर्सी लॉन्च की गई। साथ ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम के भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वह बूढ़े हो गए हैं। इसी कार्यक्रम के दौरान खेल संवाददाता उमेश कुमार ने सवाल किया कि, क्या वह दिल्ली प्रीमियर लीग में किसी टीम को कोच करते हुए नजर आएंगे इस पर सहवाग ने कहा कि वह बूढ़े हो चुके हैं। गौरतलब हो कि दिल्ली प्रीमियर लीग में छह टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें वेस्ट दिल्ली लायंस, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज, पुरानी दिल्ली-6, दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स शामिल हैं। विजेता टीम को एक करोड़ रुपये प्राइज मनी दी जाएगी। सारे मैच अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

एक रात में 7 फ्लैटों में हुई चोरी के कारण लोगों में खौफ का माहौल बना हुआ है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 जनता फ्लैट में बीते 20-21 जुलाई की रात में 7 फ्लैटों के ताले तोड़कर लाखों के सामान नगद एवं जेवरात चोर चुरा ले गए। इस मामले को लेकर आर डब्लूयू ए लगातार सांसद विधायक एवं जिले के उच्च अधिकारियों से मुलाकात की लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। इस हाइटेक सिटी में इतने दिन बीत जाने के बावजूद और कमिशन्र कार्यालय से चंद दूरी पर हुई घटना का अभी तक पर्दाफाश न होना कही न कही पुलिस प्रशासन पर सवालिया निशान अवश्य लग रहा है। इस चोरी से पूरा पाकेट 7 सदमे में हैं। यह इस पाकेट की पहली चोरी कह सकते हैं। यहां पर लोग बहुत ही निश्चितपूर्वक रहते थे। किसी भी प्रकार का कोई भय का माहौल नहीं था। यहां नजदीक में कमिशन्र कार्यालय बन जाने से और भी लोग खुश थे कि यहां पर हम लोग पूर्णतः सुरक्षित है। लेकिन का कहना है कि कमिशन्र कार्यालय के नाक के नीचे इतनी बड़ी घटना घटी।फिर भी प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठी है। आर डब्लूयू ए उपाध्यक्ष रवि राघव एवं महासचिव गोरे लाल ने एक संयुक्त बयान देते हुए कहा कि यदि इस चोरी की घटना का जल्द से जल्द पर्दाफाश नहीं हुआ तो हम लोग कमिशन्र कार्यालय का घेराव एवं धरना प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

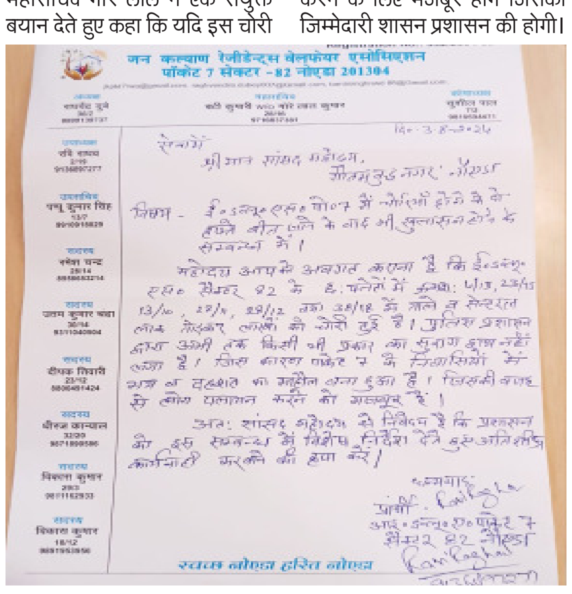

जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में लाइफ बियॉन्ड स्टडीज का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में पीजीडीएम के छात्रों के लिए ठलाइफ बियॉन्ड स्टडीजठ पर एक दिवसीय विशेषज्ञ चर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें ओरिएंट केबल्स के सीईओ अमित पांडे ने भाग लेकर संभावित कैरियर की पहचान करने और विभिनन्‍ उद्योगों को समझने के तरीकों पर प्रकाश डाला और पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक कौशल एवं दक्षताओं के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों से कहा कि जीवन के अन्य पहलुओं के साथ अकादमिक संतुलन को बनाना जरुरी है। यह औपचारिक शिक्षा के बाहर की गतिविधियों जैसे शौक, सामाजिक संपर्क और व्यक्तिगत विकास के साथ साथ अच्छी तरह से जीवन के गोल बनाने और समग्र कल्याण को बनाए रखने में मदद करता है। आप सभी ठऊर्जाठ को सक्रिय बनाए रखना ताकि जीवन के व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में ऊर्जा और जुड़ाव के उच्च स्तर को बनाए रखा जा सके। कॉलेज की निदेशक डॉद सपना राकेश ने सभी विशेषज्ञ और अथितियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।

युवा संस्कार अभियान का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में श्रावणी पर्व के उपलक्ष्य में 15 दिवसीय युवा संस्कार अभियान का शुभारंभ मूर्ति देवी आर्य स्कूल के ब्लॉक जहांगीर पुरी दिल्ली से आज किया गया।कार्यक्रम में यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया और यज्ञोपवित संस्कार करवाया,उन्होंने कहा कि यज्ञ सर्वश्रेष्ठ कर्म है हमें परोपकार की भावना से यज्ञ करना चाहिए साथ ही मातृऋण,पितृऋण, गुरुऋण का महत्व बताया। मुख्य अतिथि अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद) ने कहा कि युवा पीढ़ी को संस्कारित करने के लिए 18 अगस्त तक 50 स्थानों पर युवा संस्कार कार्यक्रम किए जाएंगे।जिसमें यज्ञ के साथ यज्ञोपवीत दिए जायेगा।उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को संस्कार वान बनाना हमारा लक्ष्य है जिससे राष्ट्र की नीव मजबूत हो। दिल्ली प्रदेश के महामंत्री अरुण आर्य ने अपनी शुभकामनायें दी और विद्यालय के प्रबंधक गजेंद्र आर्य ने कुशल संचालन किया। प्रमुख रूप से पिंकी आर्य, मंजू आर्य, बबीता आर्य, राम भरोसे आर्य उपस्थिति थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/ 25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।